RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः180, मंगलवार, 08 जुलाई 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

पुलिस पर हमला मामले में फरार छह अभियुक्तों के घर चिपकाया गया इश्तेहार 03

कोसी का कहरः सहरसा में तीन दर्जन से अधिक परिवार हुए विस्थापित 04

जेन्मा नचतिरम का सफर मेरी जिंदगी का खुबसूरत चैप्टरः मालवी मल्होत्रा 07

अमरनाथ तीर्थयात्राः जम्मू से 8,605 श्रद्धालुओं का छठा जत्था रवाना, 70 हजार से अधिक तीर्थयात्री पवित्र गुफा के कर चुके दर्शन

एजेंसी, जम्मू

बहुस्तरीय सुरक्षा घेरे के बीच 8,605 श्रद्धालु अमरनाथ तीर्थयात्रा के लिए सोमवार तड़के जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुए। धिकारियों ने बताया कि 38 दिवसीय यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक 70 हजार से अधिक तीर्थयात्री 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित श्री अमरनाथ की पवित्र गुफा के दर्शन कर चुके हैं। यह यात्रा 3 जुलाई को अनंतनाग जिले के पहलगाम और गांदरबल जिले के बालटाल से शुरू हुई थी। अधिकारियों ने बताया कि 8,605 तीर्थयात्रियों का छठा जत्था, जिसमें 6486 पुरुष, 1826 महिलाएं, 42 बच्चे और 251 साधु-साध्वियां शामिल हैं, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आज तड़के 3.30 और 4.25 बजे जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से 372 वाहनों में कश्मीर के जुड़वां आधार शिविरों के लिए रवाना हुए। उन्होंने बताया कि पहला तीर्थयात्री काफिला 166 वाहनों में 3,486 तीर्थयात्रियों को लेकर गांदरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबे-छोटे लेकिन खड़ी चढ़ाई वाले बालटाल मार्ग के लिए रवाना हुआ। इसके बाद 206 वाहनों में 5,119 तीर्थयात्रियों का दूसरा काफिला अनंतनाग जिले में 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम मार्ग से यात्रा पर निकला। बुधवार के बाद से यह तीर्थयात्रियों का सबसे बड़ा जत्था था। इसके साथ ही अब तक कुल 40,361 तीर्थयात्री जम्मू आधार शिविर से घाटी के लिए रवाना हो चुके हैं। मौके पर पंजीकरण के लिए काउंटरों पर भारी भीड़ है। अधिकारियों ने भीड़ को कम करने के लिए काउंटरों की संख्या के साथ-साथ दैनिक कोटा भी बढ़ा दिया है। इसी बीच देश के विभिन्न हिस्सों से 3,000 से अधिक श्रद्धालु अपना पंजीकरण कराने के लिए जम्मू पहुंचे है। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बावजूद श्रद्धालुओं की अटूट आस्था साफ तौर पर दिखाई दे रही है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 7468 नवनियुक्त महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता को प्रदान किया नियुक्ति पत्र

एजेंसी, पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को यहां मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित 'संवाद' में 7,468 नवनियुक्त महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता (एएनएम) को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सांकेतिक रूप से मोना कुमारी, नीलू कुमारी, अमृता कुमारी, प्रिया सिन्हा एवं रीमा कुमारी को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त एएनएम को बधाई एवं शुभकामनायें देते हुये कहा कि मेरा विश्वास है कि सभी नवनियुक्त कर्मी पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगी। कार्यक्रम में विकास आयुक्त सह स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने मुख्यमंत्री को हरित पौधा भेंटकर स्वागत किया।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, जल संसाधन सह संसदीय कार्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डे सहित अन्य वरीय अधिकारी एवं नियुक्ति पत्र पानेवालीं एएनएम उपस्थित थीं।

संक्षिप्त

उत्तराखंड के विकास में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगा केंद्रः शिवराज

नई दिल्ली । केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि उत्तराखंड सरकार कृषि-ग्रामीण विकास के क्षेत्र में काफी अच्छा काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इसके लिए केंद्र से हरसंभव सहायता मुहैया करायी जाएगी। हम उत्तराखंड के विकास में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। केंद्रीय मंत्री चौहान उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ नई दिल्ली में बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। बैठक में उत्तराखंड में पशुओं से खेती को नुकसान होने समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान चौहान ने कहा कि केंद्र की ओर से एकीकृत बागवानी विकास मिशन (एमआईडीएच) अंतर्गत घेरबाड़ करने के लिए आर्थिक सहायता दी जाएगी।

हिमाचल में बारिश से राहत, फिर भी अलर्ट जारी, अब तक 80 मौतें

शिमला । हिमाचल प्रदेश में बीते कुछ दिनों से भारी बारिश से राहत मिलती दिखाई दी है। शिमला समेत राज्य के अधिकांश हिस्सों में सोमवार को मौसम साफ रहा और लोगों ने राहत की सांस ली। खासकर शिमला में पिछले दो दिनों से बारिश थमी हुई है और दिन के समय धूप खिली रही। हालांकि मौसम विभाग ने फिर से बारिश को लेकर चेतावनी जारी की है। विभाग ने 10 जुलाई तक राज्य के कुछ जिलों में भारी बारिश की आशंका जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं 11 से 13 जुलाई के बीच भी बारिश के आसार हैं, लेकिन इस दौरान कोई विशेष चेतावनी या अलर्ट जारी नहीं किया गया है।

रियो डिक्लेरेशनः वैश्विक दक्षिण सहयोग की मजबूती और विश्व व्यवस्था में बदलाव पर जोर

एजेंसी, नई दिल्ली

ब्राजील में रविवार को हुए ब्रिक्स प्लस सम्मेलन में अपनाए गए 'रियो डिक्लेरेशन' में विकासशील देशों के बीच सहयोग बढ़ाने, वैश्विक संस्थानों में सुधार, और समावेशी तथा सतत विकास को बढ़ावा देने पर बल दिया गया है। साथ ही आतंकवाद पर कड़ा रूख अपनाया गया है। सम्मेलन के बाद विदेश मंत्रालय की ओर से साझा घोषणा 'रियो डी जनेरियो डिक्लेरेशन – स्ट्रेंथनिंग ग्लोबल साउथ कोऑपरेशन फॉर अ मोर इंक्लूसिव एंड सस्टेनेबल गवर्नेंस' जारी की गई। इसमें विकासशील देशों के बीच सहयोग और एकजुटता को प्रोत्साहित किया गया है।

घोषणा में संयुक्त राष्ट्र, विशेष रूप से सुरक्षा परिषद, आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक जैसे संस्थानों में समकालीन भू-राजनीतिक वास्तविकताओं के अनुसार व्यापक सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया है। घोषणा में 2030 सतत विकास एजेंडा के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया गया है तथा समावेशी वृद्धि, गरीबी उन्मूलन और असमानताओं के समाधान की आवश्यकता को रेखांकित किया गया है। घोषणापत्र में जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए साझा लेकिन भिन्न जिम्मेदारियों के सिद्धांत की पुष्टि की गई है। इसमें जलवायु वित्त, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और विकासशील देशों के लिए क्षमता निर्माण की मांग की गई है। साथ ही स्वास्थ्य, डिजिटल तकनीक, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग का आह्वान किया गया है। घोषणा में व्यापार और वित्तीय क्षेत्र में स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को प्रोत्साहित करने की बात कही गई है। साथ ही, अन्य विकासशील क्षेत्रों—अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, कैरिबियाई और आसियान देशों के साथ साझेदारी को सुदृढ़ करने की बात कही गई है। रियो डिक्लेरेशन में आतंकवाद को "क्रिमिनल और अनजस्टिफ़ाएबल" घोषित किया गया है और इसके सभी रूपों की कड़ी निंदा की गई है। विशेष रूप से पहलगाम हमले की तीव्र निंदा की गई है। समूह ने कहा है कि आतंकवाद के सभी स्वरूप—चरमपंथी हिंसा, सीमा पार आतंकवाद, वित्त पोषण और आश्रय—का मुकाबला करने के लिए "जीरो टॉलरेंस" की नीति अपनाने और डबल स्टैंडर्ड को त्यागने की आवश्यकता है। इसमें यूएन में इंटरनेशनल टेररिज्म कन्वेंशन को शीघ्र लागू करने का आह्वान किया गया है। रियो डिक्लेरेशन में खाद्य सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और तकनीकी समानता पर विशेष बल दिया गया है। घोषणा में कहा गया है कि विकासशील देशों को सस्ती, सुरक्षित और टिकाऊ खाद्य आपूर्ति सुनिश्चित की जानी चाहिए। इसके लिए लचीलापन, स्थानीय कृषि उत्पादन और निष्पक्ष व्यापार को बढ़ावा देने की बात कही गई है। साथ ही, डिजिटल तकनीक और इंटरनेट तक समान पहुंच सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया है। एआई के क्षेत्र में नैतिक उपयोग, पारदर्शिता और गैर-भेदभावपूर्ण विकास के सिद्धांतों का पालन करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है, जिससे डिजिटल विषमता न बढ़े। रियो डिक्लेरेशन में संघर्षों के समाधान के लिए शांतिपूर्ण उपायों और संवाद की प्राथमिकता पर जोर दिया गया है। इसमें संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों के पालन की बात कही गई है। घोषणा में बलपूर्वक कहा गया है कि किसी भी विवाद का हल सैन्य माध्यम से नहीं होना चाहिए।

बारिश से झारखंड के 14 जिले बेहाल, दिनचर्या सहित कृषि प्रभावित

एजेंसी, रांची

झारखंड में भारी बारिश से 13 जिलों में लोग बेहाल हैं। इससे आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे खराब स्थिति राजधानी रांची की है, जहां भारी बारिश से निचले इलाकों में पानी जमा होने से यातायात सहित आम लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है। कई लोगों के घर में पानी घुस गया है। इससे उनको रात काटना मुश्किल हो गया है। रांची के नदी - नाले और डैम सहित सभी जल स्रोत लबालब भरे हुए हैं। इसके अलावा राज्य में कई जगह पुल-पुलिया और डायवर्सन बह गए हैं। भारी बारिश के चलते कृषि कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। खेतों में पानी जमा होने से किसान बिचड़े नहीं लगा पा रहे हैं और खेतों की जुताई भी नहीं कर पा रहे हैं। वहीं भारी बारिश से खेतों में लगी सब्जियों की खेती पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं।

इससे सब्जियों की कीमतों में भारी वृद्धि हो गई है। इधर, सोमवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से झमाझम बारिश हुई। बारिश से लोगों को रोजमर्रा के कामों में परेशानी हुई। बच्चों को भी स्कूल जाने में दिक्कत हुई। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश लातेहार जिले के चंदवा में 90.2, मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। सोमवार को रांची में अधिकतम तापमान 28.2, जमशेदपुर में 30, डालटेनगंज में 31.8, बोकारो में 31.1 और चाईबासा में तापमान 30.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

बिहार पहुंचे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे स्टेशनों का किया निरीक्षण

- एयरपोर्ट देख कर ही पता चलता है कि पटना का विकास हो रहा है : अश्विनी वैष्णव

एजेंसी, पटना

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव सोमवार को बिहार दौरे पर पहुंचे। इस दौरे के दौरान उन्होंने कई रेलवे स्टेशनों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने भारत सरकार की ओर से चलाई जा रही स्टेशन विकास योजनाओं के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली और कामकाज की समीक्षा भी की। दरभंगा के सांसद गोपाल जी ठाकुर, सोनपुर मंडल के डीआरएम और पूर्व मध्य रेल के जनरल मैनेजर भी उनके साथ मौजूद रहे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव सोमवार को पटना पहुंचे। पटना एयरपोर्ट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष समेत कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पटना एयरपोर्ट पर पहुंचते ही रेल मंत्री ने पहले पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का निरीक्षण किया। उनके साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल सहित कई भाजपा नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। पटना एयरपोर्ट के अलावा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर और सोनपुर मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा भी की।

पंजाब : होशियारपुर में कार से टकराकर पलटी बस, छह की मौत आ 17 घायल

एजेंसी, चंडीगढ़

पंजाब के होशियारपुर जिले में सोमवार को एक यात्री बस के पलटने से छह यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 17 यात्री घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में घायल बारह लोगों की हालत गंभीर होने पर अमृतसर के लिए रेफर किया गया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने घटना पर शोक जताया और घायलों के स्वस्थ जल्द होने की कामना की है।

घटना आज सुबह दसूहा-हाजीपुर रोड पर अड्डा सगरां के पास हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दसूहा की तरफ जा रही बस जब अड्डा सगरां के पास पहुंची तो सामने से आ रही एक कार से टकरा गई। बस तेज रफ्तार में होने के कारण चालक बस नियंत्रित नहीं कर सका और थोड़ी दूरी पर जाकर

पलट गई। बस पलटते ही यात्रियों में चीख पुकार मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीण मौके पर जुट गए और उन्होंने पुलिस को सूचित किया। ग्रामीणों ने यात्रियों को बस से बाहर निकाला। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। दसूहा सिविल अस्पताल के एसएमओ डॉक्टर मनमोहन सिंह ने बताया कि हमारे पास कई मरीज जख्मी हालत में पहुंचे हैं। टीमें सभी का इलाज कर रही हैं। प्राथमिक तौर पर जब मरीजों को लाया गया, तब तीन लोग मृत पाए गए थे। उसमें एक छोटा बच्चा भी था। इसके अलावा तीन लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। डीएसपी कुलविंदर सिंह ने कहा कि जांच में पता चला है कि कार और बस का एक्सीडेंट हुआ है। शुरूआती जांच में बस की तेज रफ्तार को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है। फिलहाल, जांच कर रही है। इस बीच पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा होशियारपुर के दसूहा के गांव सगरा में एक बड़ा हादसा हुआ है, जहाँ सवारियों से भरी एक मिनी बस और कार की आपसी टक्कर हुई है। इस हादसे में कई लोगों की दुखद मौत की खबर मिली है और कई लोग घायल बताए जा रहे हैं।

राजनाथ ने कहा भारत का रक्षा बजट दुनिया के कुछ देशों की जीडीपी से भी बड़ा

ऑपरेशन 'सिंदूर' में दिखी ताकत से स्वदेशी हथियारों की मांग वैश्विक स्तर पर बढ़ी

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान भारत ने स्वदेशी हथियारों के जरिए जिस तरह अपना शौर्य दिखाया है, उसके बाद हमारे घरेलू उत्पादों की मांग वैश्विक स्तर पर और भी बढ़ गई है। आज हम रक्षा क्षेत्र में एक तरह से लगभग आत्मनिर्भरता हासिल कर चुके हैं। हमारे अधिकांश उपकरण एक समय में विदेशों से आयात किए जाते थे, वह आज हम खुद अपने देश में बना रहे हैं। हमारा रक्षा व्यय कुछ ऐसा होना चाहिए, जिसमें सिर्फ हमारा बजट न बढ़े, बल्कि उसका सही आवंटन सही समय पर और सही उद्देश्य के लिए भी हो। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को यह बातें नई दिल्ली में डीआरडीओ की ओर से आयोजित नियंत्रकों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि दुनिया हमारे रक्षा क्षेत्र की ओर देख रही है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे सैनिकों ने जो वीरता दिखाई है, साथ ही जिस तरह से हमने अपने घरेलू उपकरणों की क्षमताओं का प्रदर्शन किया है, उससे हमारे स्वदेशी रक्षा उत्पादों की मांग में वृद्धि हुई है। 2024 में विश्व सैन्य व्यय बढ़कर 2.7 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गया है, इतना बड़ा बाजार हमारा इंतजार कर रहा है। अगर आप हमारे रक्षा बजट को देखें, तो यह दुनिया के कुछ देशों की जीडीपी से भी बडा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि

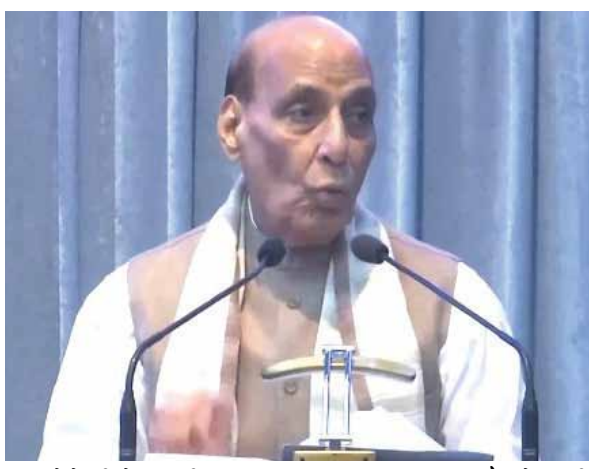

जब लोगों की मेहनत की कमाई का एक बडा हिस्सा रक्षा मंत्रालय को आवंटित किया जाता है, तो हमारी जिम्मेदारी कई गना बढ जाती है। रक्षा अधिग्रहण परिषद ने पहली बार जीईएम पोर्टल से पूंजी खरीद की अनुमति दी है, यह एक सराहनीय कदम है। इस विभाग की जिम्मेदारी सिर्फ कागजों पर खातों का प्रबंधन करना नहीं है, बल्कि यह हमारी सुरक्षा प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी है। जब आप ईमानदारी से बात करते हैं, तो इसका असर हमारी सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिकों तक भी पहुंचता है। उन्हें लगता है कि उनके पीछे एक सिस्टम है, जो हर परिस्थिति में उनके साथ रहेगा। उन्होंने कहा कि आज रक्षा क्षेत्र में हो रहे बदलाव गतिशील और अनिश्चित हैं। शांति का समय एक दिखावा है। इसके अलावा कछ नहीं। हम सभी को शांति के समय में रक्षा क्षेत्र को मजबूत करने पर चर्चा करनी चाहिए, लेकिन अचानक हम खुद को ऐसी स्थिति में पाते हैं, जिसमें हमें कुछ और करने की आवश्यकता महसूस होती है। अगर किसी उपकरण की अचानक आवश्यकता बढ़ जाती है, तो हम सभी को इस मुद्दे को हल करने के बारे में विचार करना चाहिए। यह सब शांति के समय में किए जाने की जरूरत है। वित्तीय प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए हम सभी को रक्षा अर्थशास्त्र में एक कदम और आगे बढ़ना चाहिए। इसके पीछे कारण यह है कि पूरा विश्व पुनः शस्त्रीकरण के एक नए युग की ओर बढ़ रहा है और इस क्षेत्र में कई पूंजी निवेश किए जा रहे हैं।

उपराष्ट्रपति ने न्यायपालिका की गिरती साख पर जताई चिंता

एजेंसी, कोच्चि

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को केरल के कोच्चि में नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एडवांस्ड लीगल स्टडीज (एनयूएएलएस) के छात्रों को संबोधित करते हुए न्यायपालिका की स्वतंत्रता का समर्थन करते हुए उसकी पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर सवाल उठाए। उपराष्ट्रपति ने गत 14 मार्च को दिल्ली उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश के सरकारी आवास पर आग लगने की घटना में अग्निशमन अभियान के दौरान भारी मात्रा में नकदी मिलने पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उपराष्ट्रपति ने कहा, "यह कोई मामूली बात नहीं है। इतना पैसा कहां से आया? यह किसका था? यह एक आपराधिक मामला है और

इसकी गहराई से जांच होनी चाहिए। अभी तक कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है, जो चिंता का विषय है।" उन्होंने कहा कि न्यायपालिका में हालिया घटनाएं लोकतंत्र की नींव को हिला रही हैं। यदि लोगों का विश्वास न्यायपालिका से उठ गया तो देश गंभीर संकट में आ जाएगा। सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को दी जाने वाली पोस्टिंग पर भी उन्होंने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि जब सभी को पोस्टिंग नहीं मिलती और कुछ को ही दी जाती है।

संक्षिप्त समाचार

पटना में 140 कार्टन अंग्रेजी शराब बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार, छिपाकर यूपी से ला रहे थे खेप

पटना। पटना में पुलिस ने 1294.56 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की है। वहीं दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया है। घटना रानी तालाब थाना क्षेत्र की है, जहां पुलिस ने मद्य निषेध विभाग की सूचना पर बड़ी कार्रवाई करते हुए कनपा पुल के पास एक ट्रक से 140 कार्टन अंग्रेजी शराब बरामद की गई। एक तस्कर बिहार शरीफ का दिनकर रविदास है। दूसरा सीतामढ़ी निवासी सुनील कुमार सहनी है। तस्कर चोकर के बोरों में छिपाकर उत्तर प्रदेश से शराब ला रहे थे। सिटी एसपी पश्चिमी भानु प्रताप सिंह ने पूरे मामले की जानकारी दी है। SDPO पालीगंज और रानीगंज थानाध्यक्ष के नेतृत्व में वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। जांच के दौरान ट्रक से शराब बरामद हुई। रानी तालाब थाने में कांड संख्या 267/25 दर्ज की गई है। पुलिस यह पता लगा रही है कि शराब किस सप्लायर से लाई जा रही थी। साथ ही यह भी जांच हो रही है कि इसे किन-किन तस्करों को सप्लाई करना था। दोनों गिरफ्तार तस्करों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पटना में बाबा साहेब की मूर्ति चोरी, 2007 में तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष ने की थी स्थापना

पटना। पटना में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति चोरी हो गई है। पूरा मामला गौरीचक थाना क्षेत्र के जैबर गांव का है। सोमवार सुबह ग्रामीणों को इस घटना की जानकारी मिली। मूर्ति की स्थापना 2007 में तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी ने दलित अधिकार मंच के माध्यम से करवाई थी। जैबर गांव के लंका कछुआरा पंचायत के मुखिया लोहा सिंह ने बताया कि यह फाइबर की बनी लगभग 2 फीट ऊंची मूर्ति थी। हर साल बाबा साहेब की जयंती पर यहां माल्यार्पण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता था। इन कार्यक्रमों में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी समेत कई गणमान्य लोग शिरकत करते थे। गौरीचक थाना प्रभारी अरुण कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जैबर गांव के रविदास टोला के निवासियों ने बताया कि रविवार रात को कुछ असामाजिक तत्वों ने मूर्ति चोरी कर फेंक दी। इस घटना से क्षेत्र के महादलित समाज में आक्रोश है।

मोकामा में नाले में गिरकर मासूम की मौत, घर के पास खेलने के दौरान हादसा

पटना। पटना में खुले नाले में गिरने से डेढ़ साल के मासूम दिलखुश कुमार की मौत हो गई। घटना मोकामा के इंदिरा नगर क्षेत्र है, जहां मिथुन मांझी का बेटा रविवार की रात को दिलखुश घर के पास खेल रहा था। वह अचानक खुले नाले में गिर गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत बच्चे को नाले से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। स्थानीय निवासी संजीत कुमार ने बताया कि शनिवार को नाले की सफाई की गई थी, लेकिन नगर परिषद के कर्मचारी नाले का ढक्कन खुला छोड़कर चले गए। यह नाला काफी गहरा है और पूरे वार्ड का पानी इसी से होकर निकलता है। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने मोकामा थाने का घेराव किया। उन्होंने नगर परिषद पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मोकामा थानाध्यक्ष संतोष कुमार शर्मा ने दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। वार्ड पार्षद ने मौके पर पहुंचकर शोकाकुल परिजनों को सांत्वना दी।

डीजे ट्राली के चपेट में आया मजदूर, मौत, ताजिया जुलूस में बेटे को खोजने निकला था 3 बच्चों का पिता

हाजीपुर। हाजीपुर के सदर थाना क्षेत्र में मुहर्रम के अवसर पर सोमवार अहले सुबह निकले ताजिया जुलूस के दौरान एक घटना सामने आई। दिग्घी काला पूर्वी ओवर ब्रिज पर DJ ट्राली के चक्के की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान सदर थाना क्षेत्र के दौलतपुर निवासी मोहम्मद जव्वार (35) के रूप में हुई। वह अपना 10 साल का बेटा को खोजने निकला था। मृतक का बेटा जुलूस देखने आया था। घटना के बाद उसे तुरंत हाजीपुर सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिवार में 4 भाई और एक बहन हैं, जिनमें वह दूसरे नंबर पर था। उसके 3 बच्चे हैं - एक लड़की और 2 लड़के। मृतक की मामी अजमेरी खातून ने बताया कि घटना उस समय हुई जब वह अपने बेटे की तलाश में निकले थे।

सांप पकड़ने के दौरान विशेषज्ञ की मौत, जेपी यादव को विषधर ने काटा, 12 साल में हजारों सांपों को पकड़ा

हाजीपुर। वैशाली में सर्प विशेषज्ञ जेपी यादव का सांप के काटने से निधन हो गया। घटना 6 जुलाई रविवार की देर शाम चकसिकंदर में रेस्क्यू के दौरान हुई। यादव राजापाकर प्रखंड के बाकरपुर पंचायत के गंगाजल गांव के रहने वाले थे। जेपी यादव पिछले 12 सालों से सर्प विशेषज्ञ के रूप में काम कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने हजारों सांपों को पकड़कर उनकी जान बचाई। वे विषैले सांपों को पकड़ने में माहिर थे और इस काम को करते समय कभी भय नहीं दिखाते थे। रेस्क्यू के दौरान वे कल्याणपुर गांव के डॉ. रविंद्र यादव के साथ जाते थे, जो पिछले तीन साल से उनके साथ काम कर रहे थे। यादव के परिवार में दो बेटे हैं, जो 17 और 20 साल के हैं और वर्तमान में पढ़ाई कर रहे हैं। उनकी दो बेटियों की शादी हो चुकी है। उनके पिता स्व. रामजन्म राय थे। घटना की सूचना से पूरे इलाके में शोक की लहर है और परिजन दुख से बेचैन हैं। जेपी यादव ने अपने जीवन में न केवल लोगों की जान बचाई, बल्कि पर्यावरण संतुलन में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनकी सरलता और समाज सेवा की भावना सभी के लिए प्रेरणादायक थी। क्षेत्र के लोगों ने उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। यादव की मृत्यु समाज के लिए अपूरणीय क्षति मानी जा रही है।

पेट्रोल पंप मालिक के घर से 56 लाख रुपये की चोरी

एजेंसी, पटना

- पटना में थाने से 100 मीटर दूर वारदात, चोरों ने पूजा घर में टॉयलेट भी किया

पटना के दानापुर में प्रभात इंडियन ऑयल के मालिक के घर से करीब साढ़े 56 लाख की चोरी हुई है। चोर, घर का ताला तोड़कर डेढ़ लाख रुपए कैश और 55 लाख रुपए के सोने-चांदी के गहने लेकर फरार हो गए। चोरों ने न सिर्फ घर के कवर्ड और अलमीरा का लॉक तोड़कर सामान चुराया, बल्कि पूजा रूम में टॉयलेट भी कर दिया और रसोई में जाकर पानी भी पिया। वारदात के दौरान चोरों ने घर के बिजली कनेक्शन भी काट दिए। यहां तक की CCTV और उसके DVR भी तोड़ दिए। वारदात के समय घर बंद था। घर के सारे लोग बेंगलुरु में रहते हैं। जानकारी के मुताबिक, वारदात 2 जुलाई को हुई। परिवार को इसकी जानकारी 6 जुलाई को हुई। जानकारी मिलने के बाद सोमवार सुबह घर के मालिक राम शुक्ल प्रसाद और उनकी बहू पटना पहुंचे। घटना सगुना मोड़ पुलिस चौकी से मात्र 100 मीटर की दूरी पर हुई है।

बच्चों के जैकेट तक ले गए चोरः इस मामले को लेकर पेट्रोल पंप के मालिक के बेटे प्रभात कुमार यादव की पत्नी पल्लवी यादव ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। बहू पल्लवी ने बताया, '55 लाख के गहने, 1.5 लाख कैश, पीतल के बर्तन की चोरी हुई है। मेरे पति और बच्चों के कपड़े भी चोर लेकर गए हैं। बेटे का जैकेट तक ले गए। मैं बच्चों के पढ़ाई के लिए बेंगलुरु में रहती हूं।' '2 जुलाई को मैंने घर से जरूरी डॉक्यूमेंट्स लाने के लिए अपने स्टाफ को घर भेजा तो मुझे चोरी की जानकारी मिली। इसके बाद मैं बेंगलुरु से पटना आई। मैं सदमे में हूं। चोरों ने CCTV को डिस्कनेक्ट किया।' पल्लवी के मुताबिक, 'चोरों ने CCTV हार्ड डिस्क को तोड़ दिए। पूजा रूम में उनलोगों ने टॉयलेट किया है। ग्लास में उनलोगों ने पानी पिया है। लाइट भी काट दिया।

घर में पहुंचा कर्मचारी तो मिली जानकारीः पेट्रोल पंप के मालिक राम शुक्ल प्रसाद ने कहा, 'घर बंद रहता है। बेटे-बहू और पोता-पोती बेंगलुरु में रहते हैं। चोरों ने लॉक तोड़कर घटना को अंजाम दिया है। अलमीरा के लॉक को तोड़कर गहने और कैश की चोरी की गई है। थानाध्यक्ष ने बताया, 'मामला दर्ज कर लिया गया है। चोरों की पहचान के लिए आसपास के CCTV फुटेज की जांच की जा रही है।'

जन सुराज में शामिल हुए यूट्यूबर मनीष कश्यप

एजेंसी, पटना

- प्रशांत किशोर ने दिलाई सदस्यता, पीके बोले- मनीष वो लड़का, जो बिहार को सुधारना चाहता है

BJP छोड़ने के बाद यूट्यूबर मनीष कश्यप सोमवार यानी आज प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज में शामिल हुए। प्रशांत किशोर ने उन्हें सदस्यता दिलाई। मनीष कश्यप ने कहा कि मेरे पास शब्द नहीं है, कुछ नहीं बोल पा रहा हूं। एक बार 2025 विधानसभा चुनाव में प्रशांत किशोर का साथ दीजिए। बिहार में कोई सुरक्षित नहीं है। पत्रकार, नेता और कार्यकर्ता भी सुरक्षित नहीं है।

मनीष वो लड़का, जो बिहार को सुधारना चाहता हैः वहीं प्रशांत किशोर ने कहा कि मनीष कश्यप का पूरे जन सुराज परिवार की ओर से स्वागत है। मनीष हमारे लिए बिहार का वो लड़का है, जो बिहार को सुधारना चाहता है, ताकि आने वाले पीढ़ी को कोई बिहारी कह कर गाली न दे। इनके पिता कोई बड़े उद्योगपति नहीं हैं। मनीष ने अपनी मेहनत से पहचान बनाई है। मनीष कश्यप ने कहा कि हम BJP में 13 महीने थे। बिहार की हकीकत आप सबको पता है। बिहार को लूटा जा रहा। इस बार का विधानसभा चुनाव बिहार के भाग्य का चुनाव है। हम दावे के साथ कहते हैं कि अगला 5 साल आपका होगा। बिहार में कोई सुरक्षित नहीं है। बिहार को अगर सुरक्षित करना चाहते हैं तो जन सुराज की सरकार बनाए।

सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी थी जानकारीः मनीष कश्यप ने सोशल मीडिया पर प्रशांत किशोर, जन सुराज के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह के साथ तस्वीरें शेयर किया था। अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा कि 7 जूलाई को बापू सभागार। उन्होंने आगे लिखा, बुझी हुई आश जलाएंगे हम, घर-घर रोशनी पहुंचाएंगे हम, पलायन का दर्द मिटाएंगे हम, फिर से नया बिहार बनाएंगे हम। बताया जा रहा है वो जन सुराज के टिकट पर चनपटिया से विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं।

बिना नंबर प्लेट वाले स्कूल बस ने छात्रा को कुचला, मौत

एजेंसी, पटना

- विरोध में ग्रामीणों ने शव रखकर किया सड़क जाम, चालक बस छोड़कर फरार

पटना में एक स्कूल बस ने छात्रा आजल कुमारी (14) को टक्कर मार दी। हादसे में छात्रा की मौके पर ही मौत हो गई। घटना बाढ़ अनुमंडल के चंपापुर के पास की है। छात्रा की पहचान तेजाबीघा गांव की रहने वाली आजल कुमारी के रूप में हुई है। आजल अपनी मां के साथ बैकटपुर जा रही थी। इसी दौरान रॉन्ग साइड से आ रही एक स्कूल बस ने उन्हें टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर के बाद चालक ने बस को पीछे कर दोबारा बच्ची के ऊपर चढ़ा दिया। बस पर कोई नंबर प्लेट नहीं है।

चालक बस छोड़कर फरारः हादसे के बाद चालक बस को सड़क किनारे छोड़कर फरार हो गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर घंटों तक सड़क जाम किया। सूचना मिलने पर बख्तियारपुर के विधायक अनिरुद्ध यादव मौके पर पहुंचे। विधायक ने इस घटना को दुखद बताते हुए पीड़ित परिवार को उचित मुआवजे की मांग की है। पुलिस प्रशासन के समझाने के बाद ग्रामीणों ने जाम हटा दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सैनिटरी पैड मामले में कांग्रेस ने शिकायत दर्ज कराई, सड़क पर आंदोलन की धमकी

एजेंसी, पटना

- कांग्रेस का आरोप- लोगों को किया जा रहा भ्रमित

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले महिला कांग्रेस ने पूरे बिहार में 5 लाख महिलाओं को 25 लाख सैनिटरी पैड बांटने की घोषणा की है। इस पैड के डिब्बे पर राहुल गांधी की तस्वीर की चर्चा खूब हो रही थी। सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो वायरल हो रही थी, जिसमें सैनिटरी पैड के अंदर भी राहुल गांधी की फोटो होने का दावा किया जा रहा था। कांग्रेस ने पैड के अंदर छपी राहुल गांधी की फोटो को फर्जी बताया है। गांधी मैदान थाने में बिहार यूथ कांग्रेस की लीगल टीम की ओर से सैनिटरी पैड वाले मैटर पर शिकायत दर्ज की गई है। पटना की महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष मीना कुमारी निषाद द्वारा यह आवेदन दिया गया है।

बीजेपी और शिव सेना की साजिशः बिहार यूथ कांग्रेस के लीगल सेल के चेयरमैन विकास कुमार झा ने कहा कि महिला कांग्रेस द्वारा शुरू की गई मुहिम को बदनाम करने और राहुल गांधी की छवि को बदनाम करने के लिए बीजेपी और शिव सेना द्वारा यह भ्रांति फैलाई जा रही है। संजय निरुपम जैसे बड़े-बड़े नेता, जिनका ट्विटर अकाउंट वेरीफाइड है, वह भी इसमें शामिल है।

5 ट्विटर हैंडल के खिलाफ शिकायत हुई दर्जः उन्होंने आगे कहा कि 5 ट्विटर हैंडल के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है। इसमें @inboxLM, @sanjaynirupam, @rishibagree, @DoubleTroubl001, @MrSinha ट्विटर हैंडल्स है। इनके खिलाफ शिकायत दर्ज हो गई है। गांधी मैदान थाने का मोहर लगाकर रिसीविंग दे दिया गया है। कुछ देर में FIR नंबर मिल जाएगा। आने वाले दिनों में कांग्रेस पार्टी सड़क पर उतर के आंदोलन करेगी।

राहुल गांधी के नेतृत्व में फ्री में सैनिटरी पैड बांट रहेः पटना की महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष मीना कुमारी निषाद ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में हम लोग फ्री में गरीब महिलाओं को सैनिटरी पैड बांट रहे हैं। वह इसका इस्तेमाल कर रही हैं। यह काम सरकार को करनी चाहिए थी। लेकिन, इसमें सरकार पूरी तरह विफल है। फेक न्यूज फैला रहे हैं। इस सैनिटरी पैड के पॉकेट के ऊपर प्रियंका गांधी और राहुल गांधी की तस्वीर जरूर है। लेकिन, अंदर नहीं है।

पटना में स्कूल संचालक की सिर में गोली मारकर हत्या

एजेंसी, पटना

- बुलेट लगते गिरे, 10 फीट दूर गिरी स्कूटी, शादीशुदा महिला से की थी लव मैरिज

पटना में रविवार की देर रात निजी स्कूल के संचालक अजीत कुमार (50) की अपराधियों ने सिर में गोली मारकर हत्या कर दी। घटना खगौल थाना क्षेत्र के DAV स्कूल के पास की है, वो स्कूटी से जा रहे थे। सिर में गोली लगाने के बाद उनकी स्कूटी करीब 10 फीट दूर फेंका गई और वे वहीं गिर गए। अजीत कुमार की मौके पर मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। अजीत कुमार खगौल थाना क्षेत्र के मुस्तफापुर के रहने वाले थे। अजीत कुमार लेखा नगर में RN सिन्हा नाम से प्राइवेट स्कूल चलाते थे। मृतक के परिजनों ने बताया कि रविवार की रात लेखा नगर से अजीत अपनी स्कूटी से घर जा रहा थे। इसी दौरान सगुना खगौल रोड के पास गोली मारी गई। अजीत कुमार ने 15 साल पहले शादीशुदा महिला से शादी की थी। महिला का एक बेटा था, जो पहले पति के साथ रहता है। वहीं अजीत के दो बच्चे हैं। हत्या के पीछे निजी कारण होने का शक है।

परिवार में था विवादः बताया जाता है कि शादीशुदा महिला से शादी करने से परिवार वाले नाराज थे। वे मूल रूप से खगौल थाने के मुस्तफापुर गांव के रहने वाले थे। पत्नी से उनका कुछ दिन से विवाद चल रहा था। इसलिए वे गांव चले जाते थे। गांव में उनके 95 साल के बुजुर्ग पिता नरेश चंद्र प्रसाद में रहते हैं। रविवार की रात को अजीत बीमार पिता की सेवा करने के लिए अपार्टमेंट से मुस्तफापुर गांव स्कूटी से निकले। इसी बीच अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया।

मौके से एक खोखा मिलाः राहगीरों ने घटना की सूचना डायल 112 के साथ ही खगौल थाने को दी। सूचना पाकर खगौल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए दानापुर अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल से एक खोखा बरामद किया गया है। वही घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन भी मौके पर पहुंचे।

उर्जा विभाग के रिटायर कर्मी के घर चोरी

एजेंसी, पटना

पटना में सोमवार सुबह उर्जा विभाग के रिटायर कर्मी चौधरी राय के घर चोरी हुई है। चोरों ने 5 लाख रुपए की संपत्ति की चोरी की है। घटना राजधानी पटना के न्यू अल्कापुरी स्थित काली मंदिर के पास की है।

खटखट की आवाज आई तो लगा बेटी हैः समस्तीपुर निवासी पटना में उर्जा विभाग के रिटायर कर्मी चौधरी राय के घर चोरी हुई है। चौधरी राय ने बताया कि रात 2 बजे के आसपास खटखट की आवाज आई, मुझे लगा कि मेरी बेटी जगी है। वहीं 2 और 4 बजे के बीच चोरों ने गहने, कैश की चोरी कर ली। इसके बाद चोर मेरी बेटी वाले कमरे में पहुंचे, बेटी को लगा कि मैं हूं तो उसने पापा की आवाज लगाई तब चोर भाग गए। आसपास के लोगों को जगाया तो देखा कि सामान बिखरा हुआ है। लगभग 5 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि घर के पास में भी रात 3 से 4 के बीच में चोरी हुई है।

ताजिया विसर्जन के दौरान झड़प, 12 घायल

एजेंसी, पटना

- पटना में एक ही समुदाय के दो पक्ष आपस में भिड़े, लाठी-तलवार से किया हमला

पटना में ताजिया विसर्जन के दौरान एक ही समुदाय के दो पक्षों में हिंसक झड़प हुई। इस दौरान एक दर्जन लोग घायल हो गए। घटना बाढ़ अनुमंडल के चोंदी मोहल्ले की है। घटना सोमवार सुबह की है। दरअसल, चोंदी मोहल्ले के लोग सिफर के साथ गुडगुडीया मोहल्ले पहुंचे थे। वहां पहले से कुछ लोग सिफर रखकर नाश्ता कर रहे थे। इसी दौरान मामूली बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया।

क्या बोले दोनों पक्ष के घायलः एक पक्ष के घायल ने बताया कि वह भीड़ से थोड़ी दूर बैठे थे। कुछ युवकों में विवाद शुरू हुआ। मैं बीच-बचाव करने गया था, इसी दौरान मारपीट में मैं घायल हो गए। दूसरे घायल ने बताया कि गुड़गुड़ीया मोहल्ला वाले ने नाश्ता करने बुलाया था और 50 से ज्यादा लोगों ने मिलकर मारपीट शुरू कर दी। गुड़गुड़ीया मोहल्ला के घायल एक व्यक्ति ने बताया कि मारपीट का कोई खास कारण ही नहीं है कुछ लोग नशे में थे। यहां मेहमाननवाजी के लिए स्टॉल भी लगाया गया था, यहां महिलाएं भी थी और चोंदी मोहल्ले के जुलूस वाले हल्ला करते हुए भीड़ में घुस गए। हम लोगों ने उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं माने और लाठी-तलवार चलाने लगे।

क्या बोली पुलिसः थाना अध्यक्ष ब्रजकिशोर सिंह ने बताया कि चोंदी और गुड़गुड़ीया मोहल्ला में आपस में दो पक्ष भिड़ गए। ताजिया जुलूस वहां से गुजर रहा था। घायल का इलाज अनुमंडल अस्पताल में करवाया जा रहा है।

पटना में 9 जुलाई को चक्का जाम करेंगे राहुल गांधी, तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग पर साधा निशाना

कहा- आयोग-सरकार का होश ठिकाने ला देंगे

एजेंसी, पटना

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा है कि 6 जुलाई को इलेक्शन कमीशन से मिलने गए थे, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने कहा कि पटना का इलेक्शन कमीशन कोई काम का नहीं है, पोस्ट ऑफिस जैसा है, निर्णय लेने लायक नहीं है। इलेक्शन कमीशन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस क्यों नहीं किया। तेजस्वी ने कहा है कि मेरी मांग है इस काम को रोक दिया जाए। इसे चुनाव के बाद कराया जाए। इसके लिए हमने कोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया है। वहीं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि 9 जुलाई को पूरे बिहार में चक्का जाम होगा। राहुल गांधी 9 तारीख को पटना में चक्का जाम में मौजूद रहेंगे। हम पटना के इनकम टैक्स गोलंबर से चुनाव आयोग के ऑफिस तक जाएंगे।

CM नीतीश के राज में कोई सुरक्षित नहींः बिहार में बढ़ते क्राइम पर तेजस्वी यादव ने कहा कि CM नीतीश के राज में कोई सुरक्षित नहीं है। इंजीनियर, व्यापारी सब पीटा चुके हैं। गोली भी चली है। खगौल, दानापुर हर जगह गोली चल रही।पत्रकार को भी डर लगता है। कई लोग तो पीटा चुके हैं।

राहुल गांधी के आने से और मजबूत मिलेगीः तेजस्वी ने कहा कि 9 जुलाई को पूरे बिहार के लोग पटना पहुंचेंगे। उस दिन राहुल गांधी भी आ रहे हैं। हम चक्का जाम करेंगे। इलेक्शन कमीशन और सरकार का होश ठिकाने ला देंगे। हमलोग मजबूती के साथ इस काम को करेंगे। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि राहुल गांधी के आने से और मजबूत मिलेगी। उन्होंने कहा कि हर घंटे आदेश को चुनाव आयोग बदल रहा है। इसके कारण BLO और सत्यापन में लगे कर्मी भी कन्फ्यूज्ड हैं।

खुद कन्फ्यूज्ड है चुनाव आयोगः चुनाव आयोग एक दिन में तीन अलग-अलग दिशा निर्देश जारी करता है। चुनाव आयोग खुद कन्फ्यूज्ड है। आयोग विज्ञापन कुछ और निकलता आदेश कुछ और होता है। 6 जुलाई को आयोग की ओर से दो फेसबुक पोस्ट किया गया, पहला पोस्ट दोपहर 2 बजे। इसमें लिखा गया कि दस्तावेज बाद में भी दिए जा सकते हैं। दूसरे पोस्ट में लिखा गया 25 जुलाई तक किए जा सकते हैं। हर घंटे नियम बदले जा रहे हैं। चुनाव आयोग ने मजाक बना दिया है।

चुनाव आयोग का आंकड़ा झूठः चुनाव आयोग आंकड़े जारी कर बता रहा है कि इतने फॉर्म जमा कर लिए, इतने लोगो ने फॉर्म भरा। यह सब झूठ है। तेजस्वी ने सवाल उठाते हुए कहा कि हमने उस दिन चुनाव आयोग से पूछा था कि क्या भारतीय निर्वाचन आयोग को क्या वही 11 डॉक्यूमेंट स्वीकार करने का आदेश है। आधार कार्ड, राशन कार्ड, मनरेगा कार्ड क्यों आवश्यक नहीं है। इलेक्शन कमीशन के गाइडलाइन में अभी भी आधार कार्ड इंक्लूडेड है। तेजस्वी ने इलेक्शन कमीशन के फॉर्म को देखते हुए कहा कि इनके गाइडलाइन में अभी भी आधार कार्ड है। बिहार में आधार कार्ड नहीं मान्य होगा, बस दूसरे राज्य में मान्य होगा ?

18 दिन में सत्यापन कराया जा सकता है ?: तेजस्वी ने कहा कि अब बस 18 दिन ही बचे हैं। क्या 18 दिन में सत्यापन कराया जा सकता है ? धान रोपनी, बरसात का समय है आखिर यह कैसे पॉसिबल है ?निर्वाचन आयोग ने बताया कि BLO के साथ 4 सहयोगी दिए गए हैं ? हमने पूछा कि वॉलंटियर्स कौन है ? इनके चयन की प्रक्रिया और मापदंड क्या है? सवाल उठता है कि पहले यह कहा गया कि इसमें 1 लाख लोग लगाए गए, तो वॉलंटियर्स का मापदंड क्या है ?

संक्षिप्त समाचार

पश्चिम बचंपारण में बोलेरो से 33 किलो गांजा बरामद, तस्कर पुलिस पकड़ से बाहर

बीएनएम। बेतिया। बेतिया पुलिस जिला के इनरवा पुलिस ने सोमवार को गुप्त सूचना के आधार पर खम्हीयां-इनरवा बॉर्डर के पास छापेमारी कर बोलेरो गाड़ी पर लदा गांजा जब्त किया है। जबकी कार्रवाई के दौरान कारोबारी मौके का फायदा उठा नेपाल की तरफ भागने में सफल रहे। थानाध्यक्ष जय कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि खम्हीयां-इनरवा बॉर्डर के रास्ते नेपाल की तरफ से बोलोरो गाड़ी पर गांजा का खेप लेकर कारोबारी भारतीय सीमा में प्रवेश करने वाले हैं।सूचना के आधार पर पुलिस ने टीम गठित कर उक्त रास्ते की नाकाबंदी कर दी।नाकाबंदी के दौरान पुलिस को नेपाल की तरफ से एक बोलेरो गाड़ी आता दिखाई दिया। पुलिस बल को देखते ही बोलेरो गाड़ी पर से उतर तस्कर भागने में सफल रहा।उक्त बोलेरो गाड़ी की जब जांच की गई तो 32 किलो 600 ग्राम गांजा बरामद है। जप्त गांजा की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार मे करीब तेरह लाख रुपए आंकी गई है।

मेला से मोटरसाइकिल की चोरी

बीएनएम। सहरसाः सिमरी बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के रानीबाग में आयोजित मुहर्रम मेले में रविवार रात एक युवक की मोटरसाइकिल चोरी हो जाने की घटना ने लोगों में सनसनी फैला दी है। पीड़ित युवक मो० तौकीर, सपरदाह (पुरैनी, मधेपुरा) निवासी, बीते कुछ दिनों से अपने ससुराल माखन टोला, वार्ड संख्या 22 में ठहरा हुआ था।6 जुलाई की रात तौकीर अपने परिवार संग रानीबाग मुहर्रम मेला देखने पहुंचा था। परिजनों की मदद से आसपास काफी खोजबीन की गई, मगर वाहन का कोई सुराग नहीं मिला। निराश तौकीर ने सिमरी बख्तियारपुर थाने में चोरी की लिखित शिकायत दर्ज कराई है और बाइक की बरामदगी की गुहार लगाई है।

पुलिस पर हमला मामले में फरार छह अभियुक्तों के घर चिपकाया गया इश्तेहार

» 13 दिसंबर 2024 को सोनबरसा में पुलिस टीम पर हुआ था जानलेवा हमला

बीएनएम। हरसिद्धि

पुलिस पर जानलेवा हमला कर एक गिरफ्तार अभियुक्त को छुड़ाने के मामले में फरार चल रहे सोनबरसा गांव के छह अभियुक्तों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है। न्यायालय के आदेश पर सोमवार को थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा के नेतृत्व में डुगडुगी बजवाकर सभी अभियुक्तों के घरों पर इश्तेहार चिपकाया गया।

जानकारी के अनुसार फरार अभियुक्तों में सोनबरसा निवासी बिट्टू चौधरी, शत्रुघ्न सहनी, मुन्नी देवी, बृजेश साहनी, प्रदीप सहनी और रिंकू सहनी शामिल हैं। थानाध्यक्ष ने बताया कि यदि ये अभियुक्त शीघ्र आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो कोर्ट के निर्देशानुसार कुर्की जब्ती की कार्रवाई के साथ-साथ आवश्यक होने पर उनके घर पर बुलडोजर भी चलाया जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि 13 दिसंबर 2024 को पुलिस की एक टीम तत्कालीन दारोगा मनीष राज के नेतृत्व में सोनबरसा गांव में एक अभियुक्त शत्रुघ्न सहनी को गिरफ्तार करने पहुंची थी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार भी कर लिया था, लेकिन इस दौरान गांव में जुटे असामाजिक तत्वों ने पुलिस पर हमला कर दिया और गिरफ्तार अभियुक्त को जबरन छुड़ा लिया था।

घटना के बाद दारोगा मनीष राज के स्वलिखित बयान पर संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। तब से पुलिस इस मामले में फरार अभियुक्तों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

सदर अस्पताल में मनाया गया वर्ल्ड जूनोटिक दिवस

वेक्टर के साथ जूनोटिक बीमारियों से बचाव हेतु लोगों क़ो किया गया जागरूक

बीएनएम। मोतिहारी

एएनएम/जीएनएम संस्थान, सदर अस्पताल मोतिहारी में एसीएमओ जीडी तिवारी की अध्यक्षता में वर्ल्ड जूनोटिक दिवस मनाया गया। इस दौरान संस्थान की नर्सिंग छात्राओं व स्वास्थ्य कर्मीयों ने भाग लिया। मौके पर एसीएमओ जीडी तिवारी ने कहा की हर साल 6 जुलाई को दुनिया भर में विश्व जूनोसिस दिवस मनाया जाता है। यह दिन उन बीमारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित है जो जानवरों से मनुष्यों में फैल सकती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, ज्यादातर संक्रामक जानवरों से ही उत्पन्न होते हैं। वहीं महामारी पदाधिकारी डॉ. राहुल राज ने कहा की यह दिवस लुई पाश्चर के सम्मान में मनाया जाता है। जिन्होंने 6 जुलाई 1885 को एक जूनोटिक रोग, रेबीज का पहला सफल टीका लगाया था। डीभीडीसीओ कंसलटेंट अभिषेक कुमार ने कहा की फाइलेरिया एक वेक्टर जनित रोग है, और कुछ मामलों में यह जूनोसिस भी हो सकता है। इसका मतलब है कि यह रोग जानवरों से मनुष्यों में फ़ैल सकता है। मुख्य रूप से, फाइलेरिया परजीवी मच्छरों द्वारा फैलता है, लेकिन कुछ मामलों में, ये परजीवी जानवरों से भी मनुष्यों में आ सकते हैं। उन्होंने कालाजार, फाइलेरिया व अन्य वेक्टर रोगों के बारे में सभी क़ो जागरूक किया।उन्होंने कहा की जूनोसिस संक्रामक रोग हैं जो जानवरों और मनुष्यों के बीच स्थानांतरित हो सकते हैं, जैसे रेबीज, एंथ्रेक्स, इन्फ्लूएंजा निपाह, कोविड-19, ब्रुसेलोसिस और तपेदिक। संक्रमित कुत्ते के काटने से रेबीज। डॉ राहुल राज ने कहा की संक्रमित जानवरों की बूंदों के माध्यम से। जानवरों के संपर्क में आने के बाद बिना हाथ धोए अपनी आंख, नाक या मुंह को छूने से। ऐसी जगहों को छूना जहाँ संक्रमित जानवर रहते हैं या घूमते हैं, जैसे पिंजरे, चारागाह, मिट्टी, पानी। संक्रमित या अधपके मांस, अंडे, दूध, या दूषित उत्पादों का सेवन करने से। दूषित पानी पीने से। दूषित पानी के स्रोत (जैसे पोखर या नदियां) के संपर्क में आने या उसे पीने से होता है।इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए कुछ पाठ्येतर गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जैसे पोस्टर प्रस्तुतियाँ, निबंध प्रतियोगिताएँ और एएनएम और जीएनएम दोनों विद्यार्थियों के लिए भाषण प्रतियोगिता और विजेताओं को प्रमाण पत्र और ट्रॉफी दी गई। इस अवसर पर एसीएमओ डॉ. जी डी तिवारी, महामारी पदाधिकारी, डॉ. राहुल राज, संतोष तालिकोटी, प्राचार्य, एएनएम स्कूल मोतिहारी, प्रियंका सुमन भारती, प्राचार्या, जीएनएम इंस्टीट्यूट, महेश कुमार खोखर, सोनाली वत्स, पलक ज्योति, मैरीनीला सोरेन, मीना लाल, संजय कुमार, हेड क्लर्क और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

एलएनडी कॉलेज में मनाया गया वन महोत्सव सप्ताह

बीएनएम। मोतिहारी

» प्रत्येक मनुष्य को प्रत्येक वर्ष कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए तभी हम प्रकृति में जैव विविधता को संतुलित रख सकते हैं- प्राचार्य

शहर के एलएनडी कॉलेज में कला संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्रीय सेवा योजना के महाविद्यालय इकाई द्वारा वन महोत्सव सप्ताह 2.0 मनाया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत एनएसएस के स्वयंसेवकों ने विभिन्न प्रजातियों के सैकड़ों पौधों को रोपित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने कहा कि प्रत्येक मनुष्य को प्रत्येक वर्ष कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए तभी हम प्रकृति में जैव विविधता को संतुलित रख सकते हैं। वहीं एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. रविरंजन ने बताया कि वन महोत्सव सप्ताह 2.0 युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़कर महाविद्यालय परिसर को हरा भरा करने की दिशा में हमलोग प्रयत्नशील हैं। महाविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने संवाद प्रेषित करते हुए स्वयंसेवकों को बताया कि पेड़ ही हमारा एक ऐसा मित्र है जिसका सम्पूर्ण भाग मनुष्य के काम आ जाता। इस अवसर पर अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. दुर्बादल भट्टाचार्य ने अनेक औषधीय पौधों को रोपित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रणविजय कुमार, सौरभ, रिया, निक्की, राहुल राज, दिवेश, राहुल, सानिया, गुलशन, सुरुचि, तान्या आदि ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

केविवि के छात्रों का प्रतिष्ठित कंपनियों में हुआ चयन

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रबंधन विज्ञान विभाग के एमबीए बैच 2023–25 के छात्रों ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विभाग के छात्र अर्पित श्रीवास्तव और सावन राज ने प्रतिष्ठित कंपनियों में स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। अर्पित श्रीवास्तव का चयन हरी उर्मिला होंडा मोतिहारी में जनरल मैनेजर (जीएम) के पद पर हुआ है। उन्हें 5 लाख रुपये वार्षिक पैकेज के साथ इंसेंटिव भी मिलेगा। वहीं, सावन राज का चयन लाइमलाइट कमर्शियल प्राइवेट लिमिटेड में एक्जीक्यूटिव मार्केटिंग और एचआर के पद पर हुआ है। उन्हें भी 5 लाख रुपये वार्षिक पैकेज दिया जाएगा। दोनों छात्रों ने अपनी मेहनत, लगन और प्रबंधन कौशल से यह सफलता प्राप्त की है। उनकी इस सफलता पर कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने बधाई दी और कहा कि अर्पित और सावन की सफलता अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा बनेगी। प्रबंधन विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सपना सुगंधा ने भी छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह विभाग और विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने अर्पित श्रीवास्तव और सावन राज को इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

इंडिया गठबंधन समन्वय समिति की हुई बैठक

बीएनएम। मोतिहारी

सोमवार को जिला राष्ट्रीय जनता दल कार्यालय में इंडिया गठबंधन समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक की गई। उक्त बैठक की अध्यक्षता इंडिया गठबंधन के संयोजक विधायक मनोज कुमार यादव ने किया। मंच का सफल संचालन राजद की प्रधान महासचिव सुरेश साहनी ने किया। इस बैठक में इंडिया गठबंधन के सभी जिला अध्यक्ष, विधायक, पूर्व विधायक, प्रखंड अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्ष पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी 9 जुलाई 2025 को महागठबंधन की तरफ चुनाव आयोग के द्वारा मतदाता पूर्ण निरीक्षण के खिलाफ बिहार बंद की तैयारी हेतु किया गया। इस अवसर पर इंडिया गठबंधन के संयोजक विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि 8 जुलाई 2025 शाम 6:00 बजे से चरखा पार्क से मीना बाजार तक मशाल जुलूस निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि एनडीए के दबाव में चुनाव आयोग के काम कर रही हैं। चोर दरवाजे से एनडीए सरकार बनाना चाहती है। इस अवसर पर विधायक शमीम अहमद ने कहा कि 2025 के विधानसभा में एनडीए सरकार कितनी भी ताकत लगा दे महागठबंधन की सरकार बिहार में बनने जा रही है। इस अवसर पर विधायक शशि सिंह, पूर्व विधायक राजेंद्र राम, मेयर प्रीति कुमारी, मधुबन जिला संगठन अध्यक्ष नूर आलम खान, अच्छे लाल यादव, डॉ.मदन प्रसाद, नागेंद्र राम, रामबाबू यादव, सीपीआई के विश्वनाथ यादव, सत्येंद्र कुमार मिश्रा, वीआईपी के अशोक साहनी, प्रेम यादव, संजय निराला, नूर हुडा, मीडिया प्रभारी जावेद अहमद, पूनम देवी, कृष्ण प्रसाद, अरुण कुशवाहा, राजदेव यादव, असरार आलम, कुमार शिवम, शाह मुनीलाल, यादव लाल बाबू खान, अवनीश यादव, रियाजुल हक अंसारी, गणेश मांझी, कन्हैया पाल, मनोज गुप्ता, मुख्तार आलम, कमलेश चौधरी, जगदीश विद्रोही, माधव मधुकर, जितेंद्र प्रसाद, अजय यादव, चंद्रशेखर गुप्ता, शबनम खातून, रमाकांत यादव सहित अन्य मौजूद थे।

प्रखंड स्तरीय मशाल खेल प्रतियोगिता का आयोजन

बीएनएम। तुरकौलिया

प्रखंड स्तरीय मशाल खेल प्रतियोगिता का आयोजन श्री राजा राम हाइ स्कूल के प्रांगण में किया गया। जिसका उद्घाटन बीडीओ प्रियांशी प्रिया, बीईओ जितेंद्र कुमार, एसआई सुबोध कुमार, एचएम इरशाद अहमद आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। यह प्रतियोगिता दो दिनों तक चलेगी। इस प्रतियोगिता में प्रखंड के सभी स्कूलों से 942 छात्र छात्राएं शामिल हुए। जिसमें विभिन्न प्रकार के खेलो में अंडर 14 और अंडर 16 छात्रों ने भाग लिया। अंडर 14 बालक 600 मीटर दौड़ में राजकीय मध्य विद्यालय बिजुलपुर का छात्र आदित्य कुमार और बालिका दौड़ में यूएचएस कलवारीटोला की छात्रा सानिया आफरीन ने बाजी मारा। अंडर 16 बालक 800 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में राजा राम हाइ स्कूल का छात्र अक्षय कुमार और यूएचएस बिजुलपुर की छात्रा प्रीति कुमारी ने जीत हासिल किया। अंडर 14 बालक के 60 मीटर बालक दौड़ में यूएमएस हरदिया उर्दू का छात्र सोनू बाबू और बालिका दौड़ में यूएचएस बिशुनपुरवा की छात्रा रीना कुमारी ने जीत का परचम लहराया। अंडर 16 बालक के 100 मीटर दौड़ में यूएमएस सैंनवरिया का छात्र अतिकुर्रहमान और बालिका दौड़ में यूएचएस बिजुलपुर की छात्रा नंदनी कुमारी ने जीत हासिल किया। बीईओ जितेंद्र कुमार ने बताया कि दो दिवसीय मशाल प्रतियोगिता का आज पहला दिन था। जिसमें कबड्डी, हाई जंप, लॉन्ग जंप व दौड़ का आयोजन हुआ। वही दूसरे दिन साइक्लिंग, फुटबॉल, बॉलीबॉल व कबड्डी आदि का खेल मंगलवार को होगा। प्रखंड स्तर पर जीते हुए खिलाड़ी जिला स्तर पर खेलेंगे। मौके पर शिक्षक संघ के प्रखंड अध्यक्ष अरविंद पांडेय, शिक्षक मो0 जाफर अली, रवि भूषण मिश्रा, मुन्ना कुमार पाण्डेय, जगदीश राम, विनोद भगत, राकेश कुमार, परवेज आलम, पंकज कुमार, देवेंद्र कुमार द्विवेदी, सुनील कुमार, धीरेन्द्र कुमार, कलाम अंसारी सहित अन्य शिक्षक मौजूद थे।

ताजिया जुलूस में मारपीट के दौरान युवक की मौत, भाई गंभीर रूप से घायल 11 गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के मेहसी थाना क्षेत्र के कनकट्टी बाजार में रविवार की संध्या ताजिया जुलूस के दौरान दो गुटों में हुई मारपीट में एक युवक की मौत हो गई जबकि उसका छोटा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान कोठिया हरिराम पंचायत के रामेश्वर राय के पुत्र अजय कुमार (26 वर्ष) के रूप में की गई है। वहीं घायल उसका छोटा भाई नवलकिशोर राय बताया गया है, जिसका इलाज पटना के अस्पताल में चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना शाम लगभग 7 बजे की है, जब कनकट्टी बाजार में ताजिया जुलूस निकाला जा रहा था। उसी दौरान किसी बात को लेकर दो गुटों के बीच झड़प हो गई। अजय और नवल बीच-बचाव के लिए आगे आए, लेकिन इस दौरान अजय पर हमला कर दिया गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं नवल गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही मेहसी थाना अध्यक्ष सानू गौरव सदल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए डीआईजी हरिकिशोर राय, जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल और पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात को मौके पर बुलाया गया। वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल पर कैंप कर स्थिति का जायजा लिया और अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती कर दी गई, जिससे किसी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके। वहीं स्थानीय विधायक श्याम बाबू यादव मृतक के गांव पहुंच लोगों को समझाया तथा शांत रहने की अपील की। थानाध्यक्ष सानू गौरव ने बताया कि इस घटना के संबंध में कांड संख्या 178/25 के तहत मामला दर्ज किया गया है और 23 लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिन्हें पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि मृतक का शव पोस्टमार्टम के बाद भारी पुलिस बल की मौजूदगी में उनके पैतृक गांव ले जाकर अंतिम संस्कार किया गया। कुछ लोगों का यह भी कहना है कि कुछ असामाजिक तत्व इस घटना को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि प्रशासन की सतर्कता और सूझबूझ के कारण ऐसा कोई माहौल नहीं बनने दिया गया। फिलहाल क्षेत्र में शांति है लेकिन पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। घटना के बाद से कोठिया हरिराम पंचायत और आसपास के इलाकों में शोक और आक्रोश का माहौल है। लोग इस बात से व्यथित हैं कि ताजिया जैसे धार्मिक अवसर पर इस प्रकार की हिंसक घटना हुई। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन से दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

गोपाल खेमका हत्याकांडः बेऊर जेल से मोबाइल बरामद

बीएनएम। पटनाः पटना के चर्चित व्यवसायी गोपाल खेमका हत्याकांड की जांच तेज हो गई है। पटना पुलिस ने अब तक इस मामले में सात से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है, लेकिन मुख्य शूटर अब भी फरार है। इसी बीच पटना के बेऊर जेल में हुई छापेमारी में तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं, जिसके बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया है।छापेमारी के बाद जिला प्रशासन ने तीन कक्षपालों को निलंबित कर दिया है। साथ ही कारा उपाधीक्षक अजय कुमार, सहायक अधीक्षक नीरज कुमार और कक्षपाल गिरीश यादव से स्पष्टीकरण मांगा गया है। सूत्रों के अनुसार मोबाइल फोन के जरिए हत्याकांड से जुड़े कुछ इनपुट्स मिल सकते हैं।पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि हत्या की साजिश पूरी तरह सुनियोजित थी। खेमका के अपार्टमेंट के बाहर मुख्य शूटर दो साथियों के साथ मौजूद था। जैसे ही खेमका रात करीब 12 बजे अपने घर पहुंचे, शूटर ने कनपटी पर गोली मार दी और फरार हो गया। वह जेपी गंगा पथ के रास्ते से भाग निकला, जिसका रूट सीसीटीवी में दर्ज है।पटना पुलिस शूटर के संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है। हालांकि अभी तक उसकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शूटर की पहचान हो चुकी है और जल्द ही उसे पकड़ लिया जाएगा। इस बीच प्रशासन पर दबाव बढ़ रहा है कि वह इस हाई-प्रोफाइल हत्या मामले को जल्द सुलझाए।

शराब बरामद, कार जब्त

बीएनएम। बगहा : बगहा पुलिस जिला के चौतरवा थाना पुलिस ने रात्रि गश्ती के दौरान रविवार की मध्य रात्रि में एन एच 727 बगहा - बेतिया मुख्य मार्ग के परसौनी चौक एवं पड़री गांव के बीच एक होन्डा कार से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद किया है। तथा कार को भी जब्त कर लिया गया है। जबकि अंधेरे का लाभ लेते हुए कार का चालक फरार बताया जा रहा है। चौतरवा थाना के प्रभारी थानाध्यक्ष ज्योति पूंज ने बताया कि गुप्त सुचना मिली थी कि उत्तर प्रदेश के तरफ से एक काले रंग की कार से अंग्रेजी शराब की एक बड़ी खेप बेतिया के तरफ निकलने वाली है। उन्होंने बताया कि सुचना के आलोक में एलटीएफ टीम और प्रशिक्षु सब -इन्स्पेक्टर दीपा कुमारी के नेतृत्व में नेशनल हाईवे मुख्य पथ में पुलिस गश्ती बढ़ा दी गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि इसी क्रम में एक काले रंग की होन्डा एकोड़ कार चौतरवा चौक से एन एच 727 रास्ते परसौनी चौक के तरफ तेज रफ्तार से बढ रही थी। पीछे से चौतरवा थाना पुलिस ने पिछा की। थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब धंधेबाजों की पहचान करने में पुलिस जूट गई है। तथा गाड़ी की रजिस्ट्रेशन नंबर से कारोबारी की तलाश करने में पुलिस जुट गई है।

हर्षोल्लास के साथ मना मोहर्रम

बीएनएम। योगापट्टी : योगापट्टी में हर्षोल्लास के साथ मोहर्रम का महा पर्व मनाया गया आपको बता दे की शहादत की याद में मनाया जाने वाला मोहर्रम रविवार को शहर से लेकर गांव तक शांतिपूर्ण वातावरण में मनाया गया। देर शाम तक कही से कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। विदित हो कि यजीदो द्वारा पैगम्बर हजरत मोहम्मद के दो नवासी इमाम और हसन और हुसैन को शहीद कर दिया था। उसी की याद में मुस्लिम भाई मोहर्रम पर्व मनाते हैं। यह अरबी साल के पहले महीने की दसवी तारीख को मनाया जाता है। रविवार को विभिन्न स्थानों पर तजिया मिलान किया गया। बलूआ से त्रिवेणी चौक पर निकली जुलूस व परंपरागत हथियारों से करतब दिखाकर मुस्लिम भाईयों ने पर्व मनाया। खासकर आपसी भाईचारा के साथ पर्व मनाने में लोगों की मदद की। इसके अलावा क्षेत्र के सेमरी योगापटीं, त्रिवेणी चौक नवलपुर रुद्रलपुर दुबवालिया आदि गांव के मुस्लिम जाति के लोगों ने प्रत्येक वर्ष की भांति इस साल भी त्रिवेणी चौक पर ताजिया मिलान किया गया। हिन्दू समुदाय के लोगों ने भी मोहर्रम पर मन्नतें पूरा करने के लिए गुड़ निर्मित लाई व पैसा ताजिया पर फेंककर श्रद्धा व्यक्त की जहां ताजिया मिलान कर अपने-अपने स्थान पर लौट गए। प्रशासन द्वारा संवेदनशील व अति संवेदनशील स्थानों पर सशस्त्र बलों की प्रतिनियुक्ति की गई थी। थानाध्यक्ष सशस्त्र बलों के साथ गश्ती लगाते रहे।

साईकिल रैली आज

बीएनएम। जमुई / झाझा। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए जदयू की ओर से मंगलवार को मतदाता जागरूकता अभियान भव्य साईकिल रैली निकाला जायेगा। जानकारी देते पार्टी के नगर अध्यक्ष बबलू सिन्हा ने बताया कि साइकिल रैली पिपराडीह स्थित मेरे आवास से बड़ी संख्या साइकिल से लोग निकलकर लोगों को जागरूक करेगे। जिसका नारा होगा संकल्प हमारा टुटे नही, एक भी मतदाता छुटे नही। हर घर तक हम जाएगे, मतदाता को जगायेगे। नगर अध्यक्ष ने कहा कि साइकिल रैली नगर क्षेत्र में भ्रमण किया जाएगा।

प्रखंड स्तरिय खेल प्रतियोगिता आयोजित

बीएनएम। पश्चिम चंपारण जिला अंतर्गत गंडक पार मधुबनी प्रखंड में प्रखंड स्तरीय मसाला खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता का आयोजन मधुबनी प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोबरहिया के प्रांगण में आयोजित हो रहा है। जिसमें सभी सी आर सी से चयनित खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। आज एथलेटिक्स में अंडर 14 और अंडर 16 के छात्र छात्राओं ने अपना दम दिखाया इसमें 60 मीटर दौड़ में हरदेव प्रसाद उच्च विद्यालय के छात्र ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं 600 मी दौड़ में उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय तमकुहवा के बच्चे ने बाजी मारी। अंडर 14 फुटबॉल में पकड़िहवा खोतहवा सीआरसी और तमकुहवा उच्च विद्यालय के बच्चों के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। जिसमें तमकुहा के खिलाड़ियों ने दो एक से विजय प्राप्त किया। बालिका वर्ग कबड्डी में हरदीप प्रसाद उच्च विद्यालय मधुबनी और उत्क्रमित उच्च विद्यालय बगहा की छात्राओं के बीच कड़े मुकाबले में हरदेव प्रसाद उच्च विद्यालय के छात्राएं विजय रही कल इन खिलाड़ियों का फाइनल मुकाबला होगा और पुरस्कार वितरण भी किया जाएगा इस अवसर पर मुख्य रूप से कार्यक्रम के आयोजन में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मधुबनी, उमेश कुमार, प्रधानाध्यापक संजय कुमार त्रिपाठी, बच्चा प्रसाद यादव, रामायण शाह ,फजलूर्रहमान, संतोष कुमार त्रिपाठी रामायण साह मुन्ना प्रसाद, युसूफ अंसारी, अनीता सिंह, प्रभा श्रीवास्तव, कमलेश श्रीवास्तव के अतिरिक्त सभी सीआरसी के नोडल शिक्षक, शिक्षिका भी उपस्थित थी।

चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन के सदस्यों ने की बैठक

बीएनएम। जमुई /झाझा। आगामी 13 जुलाई को प्राइवेट स्कूल एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन की होने वाली जिला अधिवेशन को लेकर एसोसिएशन के सदस्यों ने नगर क्षेत्र स्थित सन फ्लावर स्कूल में की बैठक। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष लक्ष्मण झा तथा संचालन प्रखंड अध्यक्ष अभिषेक सिंह ने किया। बैठक में सन फ्लावर स्कूल प्रांगण में होने वाले जिला अधिवेशन को लेकर रूप रेखा तैयार की गई। जिलाध्यक्ष ने बताता की उस दिन शिक्षकों के बीच सम्मान समारोह कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में एशोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सैयद इस्माईल अहमद उपस्थित होंगे और एसोसिएशन को जिला में मजबूत बनाने को लेकर जिला कमेटी के गठन पर भी चर्चा किया जाएगा। बैठक में एसोसिएशन के जिला महासचिव विजय सिंह, कार्यकारणी सदस्य अमर सिंह, एम अख्तर, विजय पासवान, पुरूषोतम मंडल, सौरव झा, प्रवीण सिन्हा सहित कई सदस्य मौजूद थे।

मारपीट की प्राथमिक दर्ज

बीएनएम। जमुई /झाझा। पैरगाहा में एक ही घर के चार सदस्यों के बीच हुई मारपीट व घायल कर देने की घटना में पीड़ित की ओर से प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। एवं सन्दर्भ में विजय यादव ने दर्ज आवेदन में 9 लोगों को नामजद बनाया है। दर्ज आवेदन में उन्होंने बताया कि गांव के दीनदयाल यादव, उसका पुत्र सनोज यादव, मनोज यादव उसका रिश्तेदार बांका जिला के बेला गांव के रहने वाले धमकलाल यादव , ललमटिया के रंजीत यादव, बैजला गांव के कपिल यादव, करहरा के राजू, सुनील यादव एक दीनदयाल की पत्नी तेतरी देवी, हरवे हथियार एवं लाठी डंडे, देशी कट्टा आदि से लैस होकर आया और मुझे मारकर घायल कर दिया जब मेरा भाई अजय यादव, पिता शंकर यादव, मां मंजू देवी को तलवार, कुल्हाड़ी आदि से मारकर घायल कर दिया। और सभी घर मे घुसकर रखे बक्सा को तोड़कर सोना, चांदी का जेवर तथा 26 हजार रुपए निकाल लिया। थानाध्यक्ष संजय सिंह ने प्राथमिकी दर्ज करने के बाद नामजद लोगों की गिरफ्तारी को लेकर कार्रवाई में जुट गई है।

कोसी का कहरः सहरसा में तीन दर्जन से अधिक परिवार हुए विस्थापित

तटबंध पर शरण लेने को मजबूर

बीएनएम। सहरसा

सहरसा में विस्थापित होते ग्रामीण

जिले के सिमरी बख्तियारपुर अनुमंडल अंतर्गत घोघसम पंचायत के शर्मा टोला में कोसी नदी ने एक बार फिर अपना रौद्र रूप दिखाया है। नदी की तेज धारा में कटाव की वजह से चार दर्जन से अधिक घर नदी में समा गए हैं। इन पीड़ित परिवारों ने अब पूर्वी कोसी तटबंध के ऊंचे हिस्से पर शरण ली है। घर-बार उजड़ चुके लोग खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं।विस्थापित मंटू तांती ने बताया कि उनका पूरा गांव नदी में समा गया। गांव छोड़ने के लिए उन्हें 2000 रुपए में निजी नाव करनी पड़ी, फिर 5000 रुपए में ट्रैक्टर से सामान लाकर तिलाठी स्थित तटबंध पर डेरा डाला। "जिस गांव में जन्म लिया, वह अब मिट्टी में मिल चुका है," उन्होंने कहा।इन पीड़ितों की स्थिति बेहद दयनीय है। इनके पास न रहने की समुचित व्यवस्था है, न पीने का साफ पानी। महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग – सभी बेहद कठिन परिस्थितियों में रह रहे हैं। खाने-पीने का भी कोई स्थायी इंतजाम नहीं है।

सरकारी सहायता की उठी मांग

राजनपुर के समाजसेवी मीर रिजवान ने जिला प्रशासन से अपील की है कि विस्थापित परिवारों को तुरंत राहत और मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि इन लोगों की हालत बेहद गंभीर है और तत्काल सरकारी हस्तक्षेप जरूरी है।इस विषय में सिमरी बख्तियारपुर के अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) आलोक कुमार ने बताया कि प्रशासन की ओर से प्रभावित क्षेत्र का सर्वे कराया जा रहा है। सर्वे के आधार पर सरकारी प्रावधानों के अनुरूप मुआवजा और सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

हर साल दोहराई जाती है त्रासदी

कोसी नदी हर वर्ष हजारों लोगों की जिंदगी को प्रभावित करती है। बाढ़ और कटाव की वजह से सहरसा, सुपौल और मधेपुरा जिलों के कई गांव तबाह होते हैं। सरकारी योजनाओं और राहत पैकेज की घोषणा तो होती है, लेकिन जमीनी स्तर पर उसका लाभ पीड़ितों को समय पर नहीं मिल पाता।इस वर्ष भी वही त्रासदी फिर से सामने है। सवाल यह है कि कब तक कोसी के कहर का दंश झेलते रहेंगे ये लोग?

मरीज को दिया किट

जमुई झाझा में किट देते लेप्रा के सदस्य

बीएनएम।जमुई /झाझा

सोमवार को रेफरल अस्पताल में ग्रेड 2 मरीज को डीएफआईटी के द्वारा चप्पल व सेल्फ केयर किट लेप्रा के द्वारा दिया। इस दौरान मरीजों को डॉक्टर नवाब एवं पीएमडब्ल्यू प्रमोद कुमार, पीटी किशोर चंद्र कोयरी,काउंसलर राजीव रंजन तिवारी एवं एमआईएस मोहम्मद इरशाद ने मरीजों के बीच सेल्फ केयर किट और अन्य सामग्री वितरण किया। पीएमडब्ल्यू प्रमोद कुमार ने बताया कि फाइलेरिया मरीज को स्पेशल चप्पल दिया जो मरीज के लिए फायदेमंद होगा। इसके अलावे सेल्फ किट जिसमे साबुन,दवा एवं अन्य सामग्री उन्हें उपयोग करने के लिए दिया गया। उन्होंने आगे बताया कि लेप्रा कुष्ट, फाइलेरिया मरीजों की पहचान को लेकर क्षेत्र में काम कर रही है जिसमे आशाकर्मी की भी मदद ली जा रही है। जिस घर मे कुष्ट और फाइलेरिया की मरीज की पहचान हो रही है उसका एक लिस्ट भी बनाया जा रहा है और फिर उन मरीजो को विशेष उपचार किया जा रहा है जिससे मरीज जल्द से जल्द ठीक हो जाए।

हर बूथ, सबसे मजबूत'' के संकल्प को साकार करने में जुटे भाजपा कार्यकर्ता

» आगामी चुनावों में हर बूथ पर जीत सुनिश्चित करने का लिया संकल्प

बीएनएम। सिमरी बख्तियारपुर

सिमरी बख्तियारपुर बैठक में उपस्थित बीजेपी कार्यकर्ता

भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रव्यापी "बूथ सशक्तिकरण अभियान" के तहत सोमवार को सिमरी बख्तियारपुर पश्चिमी मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। मंडल अध्यक्ष रमेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई इस बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाना था। उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि बीजेपी नेता रितेश रंजन ने कहा, "भाजपा की असली ताकत उसका बूथ है। हमारा संकल्प 'हर बूथ, सबसे मजबूत' केवल एक नारा नहीं, बल्कि हमारी कार्यनीति का मूल आधार है।" उन्होंने संगठन की मजबूती के लिए महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला और सभी कार्यकर्ताओं से समर्पण भाव के साथ पार्टी की नीति और विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज की बैठक में कार्यकर्ताओं का जोश और संकल्प यह दर्शाता है कि आने वाले चुनावों में भाजपा की जीत हर बूथ पर सुनिश्चित होगी।बैठक की अध्यक्षता कर रहे मंडल अध्यक्ष रमेश कुमार सिंह ने सभी का स्वागत किया और अभियान की रूपरेखा पर चर्चा की। इस दौरान संगठन को मजबूत करने और आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए विस्तृत मंथन हुआ।इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्य रूप से जिला किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष अरविंद सिंह, सिमरी बख्तियारपुर विधानसभा प्रभारी अरविंद भगत, मण्डल महामंत्री प्रदीप गुप्ता एवं पवन दास, उपाध्यक्ष गोपाल भगत, सुभाष कुमार चौधरी, जगन राय सहित सभी पंचायतों के अध्यक्ष, पदाधिकारीगण और बड़ी संख्या में कर्मठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मुरला पैक्स चुनावः अध्यक्ष पद के लिए दो, कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए 11 अभ्यर्थियों ने भरा नामांकन

बीएनएम। रामगढ़वा

प्रखंड अंतर्गत चर्चित मुरला प्राथमिक कृषि साख सहयोग समिति लिमिटेड (पैक्स) के अध्यक्ष और कार्यकारिणी पदों के चुनाव को लेकर सोमवार को नामांकन प्रक्रिया पूर्ण हो गई। नामांकन के अंतिम दिन अध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशियों और कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए 11 अभ्यर्थियों ने पर्चा दाखिल किया। सहायक निर्वाची पदाधिकारी सह बीपीआरओ इंद्रजीत कुमार दास ने जानकारी देते हुए बताया कि अध्यक्ष पद के लिए निवर्तमान अध्यक्ष कौशलेश कुमार ठाकुर उर्फ झुन्नू ठाकुर और अमरेंद्र ठाकुर ने नामांकन दाखिल किया है। वहीं कार्यकारिणी के लिए कुल 11 उम्मीदवारों ने नामजदगी पर्चा दाखिल किया। नामांकन के दौरान व्यापार मंडल अध्यक्ष रामा ठाकुर, विष्णु भगवान ठाकुर, राजेंद्र दास, दिलीप ओझा, अजय ठाकुर, भोला यादव, राधे श्याम यादव, बलिराम ठाकुर सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे। माहौल पूरी तरह लोकतांत्रिक उत्सव जैसा रहा।

निर्वाचन की आगे की प्रक्रिया इस प्रकार हैः

- **8 जुलाईः** नामांकन पत्रों की संवीक्षा

» **नामांकन के अंतिम दिन उमड़ी भीड़, 18 जुलाई को होगा मतदान**

- **11 जुलाईः** नाम वापसी की अंतिम तिथि व चुनाव चिह्न आवंटन
- **18 जुलाईः** मतदान और उसी दिन प्रखंड कार्यालय परिसर में मतगणना

बता दें कि मुरला पैक्स का यह चुनाव पहले 11 नवम्बर 2025 को निर्धारित था, लेकिन मतदाता सूची में गड़बड़ी की शिकायतों के बाद उसे रद्द कर दिया गया था। अब नए सिरे से चुनाव प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

2 नाबालिक बच्चियों के साथ दो मानव तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम। रक्सौल

मानव तस्करी रोधी इकाई एसएसबी को गुप्त सूचना प्राप्त हुई की रक्सौल के रास्ते मैत्री ब्रिज होते हुए कुछ व्यक्तियों के द्वारा नाबालिग लड़कियों को नेपाल ले जाने के फिराक में है। सूचना के आधार पर मानव तस्करी रोधी इकाई के प्रभारी इंस्पेक्टर विकास कुमार द्वारा टीम का गठन किया गया,और मैत्री ब्रिज रक्सौल के पास चेकिंग अभियान चलाई गई। रात्रि के करीब 9:00 बजे 2 व्यक्तियों के साथ 02 लड़कियों को नेपाल जाने के क्रम में संदेह एवं सूचना के आधार पर रोककर जब काउंसलिंग की गई तो पता चला कि दोनों लड़कियां महज 15 और 16 साल की नाबालिग बच्चियां है । बच्चियों के भावनाओं को ध्यान में रखते हुए काउंसलिंग की गई जिसमे मोहम्मद रिजवान ने हसीना से नेपाल में शादी करने का और शायर की शादी अपने दोस्त मोहम्मद शेख से करवाने का वादा करके उनकी मासूमियत का फायदा उठाकर दोनों सगी बहनों को बहला-फुसलाकर घर से भगाकर रक्सौल बिहार ले आया जहां उसका दोस्त मोहम्मद शेख पहले से ही इनके रहने की सारी व्यवस्था कर रखा था। नाबालिग लड़कियों ने बताया कि शादी करने का प्रलोभन दे कर दोनों ने शारीरिक शोषण किया । इंटेरोगेशन में पता चला कि मोहम्मद शेख पहले से ही शादीशुदा है और उसका एक बच्चा भी है जब शायरा को इस बात का पता चला तो मोहम्मद शेख ने शायरा को आश्वासन दिया कि पहली पत्नी को तलाक दे कर तुमसे शादी करेंगे। तस्कर नाबालिग लड़कियों को अपने झांसे में लेकर अपने दोस्तों के पास नेपाल ले जा रहे थे। पता नहीं नेपाल में मासूम बच्चियों के साथ आगे क्या होने वाला था। समय रहते मानव तस्करी रोधी इकाई टीम ने बच्चियों को तस्कर के बिछाए गए जाल में फंसने से बचाते हुए दोनों तस्करों और नाबालिग लड़कियों को हरैया थाना के सुपुर्द कर दिया गया है। जब गाजियाबाद पुलिस स्टेशन से संपर्क किया गया तो पता चला कि अपहरण, धमकी, चोरी के मामले में परिजन द्वारा प्राथमिकी दर्ज करवाई गई है। गाजियाबाद पुलिस भी इन्हें काफी दिनों से ढूंढ रही थी। संयुक्त कार्यवाही में एएचटीयू प्रभारी इंस्पेक्टर विकास कुमार, सहायक उप निरीक्षक खेम राज , हवलदार अरविंद द्विवेदी, सिपाही रेशमा एवं आर्या लक्ष्मी , प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर पूर्वी चम्पारण की जिला परियोजना समन्वयक आरती कुमारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता राज गुप्ता शामिल थे।

बंद को लेकर वाम दलों की बैठक, समर्थन का ऐलान

लखीसराय में बैठक में शामिल वाम दल के नेतागण

बीएनएम। लखीसराय

भाकपा माले जिला कार्यालय विष्णुपुर में वाम दलों की एक संयुक्त बैठक आयोजित हुई। बैठक में 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों द्वारा 9 जुलाई को केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ बुलाए गए भारत बंद को समर्थन देने का निर्णय लिया गया।बैठक में कहा गया कि मोदी सरकार द्वारा लागू किए गए श्रम कानूनों की मार आम मजदूरों, किसानों, गरीबों और युवाओं पर पड़ रही है। बिहार सरकार द्वारा गरीबों को "मजदूर" बताकर उन्हें जनवितरण प्रणाली से वंचित करना असंवेदनशील निर्णय है।भारत बंद के दौरान जिले में दवा दुकान, एंबुलेंस सेवा व दूध की आपूर्ति को छोड़ सभी अन्य दुकानों व प्रतिष्ठानों को बंद रखने की अपील की गई है। बैठक की अध्यक्षता सुरेंद्र यादव ने की। बैठक में माले, भाकपा, माकपा समेत विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

खेल प्रतिभा खोज या खानापूर्ति का आयोजन

लखीसराय में प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी

बीएनएम। लखीसराय

बिहार सरकार की खेल प्रतिभा खोज योजना के तहत आयोजित मशाल 2025 प्रतियोगिता का आयोजन लखीसराय के केआरके मैदान में शुरू हुआ। प्रतियोगिता का उद्देश्य अंडर-14 और अंडर-16 आयु वर्ग के बच्चों की खेल प्रतिभा को सामने लाना है। लेकिन आयोजन की वास्तविक स्थिति इससे बिल्कुल विपरीत दिखी।खेल विभाग, शिक्षा विभाग और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में हो रही इस प्रतियोगिता में बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव नजर आया। मैदान में न छाया की व्यवस्था हैं, न बैठने की। पेयजल, शौचालय और चिकित्सा सुविधा जैसी जरूरतें भी नदारद हैं। तेज धूप में बच्चे खुले मैदान में छांव की तलाश में भटकते रहे, जबकि एकमात्र पंडाल केवल उद्घाटन औपचारिकता और अधिकारियों के लिए आरक्षित रहा।प्रतिभागियों के लिए सीआरसी जर्सी की अनिवार्यता तो लागू की गई, पर उनके मूलभूत अधिकारों की पूरी तरह अनदेखी की गई। आयोजन समिति और जिला प्रशासन की यह उदासीनता पूरे उद्देश्य को ही सवालों के घेरे में लाती है।

गोविंदगंज में 'संस्कार हॉस्पिटल' का भव्य शुभारंभ

कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे व मंत्री कृष्णनंदन पासवान ने किया उद्घाटन

» गांव में शहर जैसी स्वास्थ्य सुविधाएं देने का सपना हुआ साकार

बीएनएम।अरेराज

अरेराज प्रखंड के भेलानारी गांव में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित 'संस्कार हॉस्पिटल' का भव्य उद्घाटन समारोह रविवार को संपन्न हुआ। इस बहुप्रतीक्षित अस्पताल की स्थापना प्रख्यात चिकित्सक डॉ. पी. एम. गिरी द्वारा की गई है। भारत सरकार के कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे तथा बिहार सरकार के मंत्री कृष्णनंदन पासवान ने संयुक्त रूप से फीता काटकर अस्पताल का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक सुनील मणि तिवारी, अरेराज अनुमंडल पदाधिकारी अरुण कुमार, गोविंदगंज थानाध्यक्ष राजू मिश्रा, पूर्व नगर अध्यक्ष मंटू दुबे सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. पी. एम. गिरी ने कहा, "संस्कार हॉस्पिटल केवल एक इमारत नहीं, यह मेरे जीवन का सपना है — जहाँ हर वर्ग के मरीज को बेहतर इलाज, सम्मान और विश्वास के साथ सेवा मिले। हमारा उद्देश्य है कि गांव में रहते हुए भी लोग शहर जैसी चिकित्सा सुविधा पा सकें।" अस्पताल के उद्घाटन से न केवल भेलानारी, बल्कि आसपास के दर्जनों गांवों के हजारों लोगों को अब बेहतर इलाज की सुविधा गांव में ही उपलब्ध होगी। यह पहल 'गांव में इलाज, गांव में विश्वास' के मूलमंत्र को साकार करती है।

भावपूर्ण स्त्री के तौर पर ममता को कड़े कदम उठाने चाहिए

कोलकाता के विधि महाविद्यालय प्रथम वर्ष की छात्रा के साथ कथित रूप से वरिष्ठ छात्रों द्वारा दुष्कर्म का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। दक्षिण कोलकाता के इस परिसर में वह परीक्षा संबंधी प्रवेशपत्र भरने गई थी। मेडिकल जांच में सामूहिक रेप की पुष्टि होने के साथ ही एक सुरक्षाकर्मी गिरफ्तार किया गया। पीड़िता की शिकायत के अनुसार उसे जबरन यूनियन रूम में रोका गया और पूर्व छात्र व आपराधिक मामलों के वकील ने रेप किया। दो अन्य छात्रों ने घटना का वीडियो भी बनाया। शिकायतकर्ता ने बताया, दोषी के विवाह प्रस्ताव को वह पूर्व में ठुकरा चुकी थी। अभियुक्तों का संबंध तृणमूल कांग्रेस छात्र परिषद से बताया जा रहा है। विपक्ष का आरोप है कि शैक्षणिक संस्थाओं में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का दबदबा है। मुख्य आरोपी मनोजित के खिलाफ पहले भी कई विवाद सामने आने के बावजूद उसे कॉलेज में अस्थाई नौकरी मिलने के पीछे राजनीतिक संरक्षण बताया जा रहा है। भाजपा घटना पर मुख्यमंत्री से इस्तीफा देने की मांग कर रही है जबकि उसे बीएचयू की वह घटना याद रखनी चाहिए जिसमें तमाम दबाव के बाद आरोपियों को पकड़ा गया था। तब सत्ताधारी दल ने किस राजनेता पर कार्रवाई की थी। यह खौफनाक है। विभिन्न घटनाओं के आधार पर कहना अतिश्योक्ति नहीं है कि देश के शिक्षण संस्थान और विश्वविद्यालय छात्राओं के लिए अति असुरक्षित हैं। तमाम नियमों व कानूनी प्रावधियों के बावजूद सामने आने वाली ये घटनाएं चुनिंदा हैं क्योंकि छात्राएं घबरा जाती हैं क्योंकि उनके शिक्षा ग्रहण करने में अड़ंगे लगने लगते हैं। सवाल छात्राओं का ही नहीं है, महिलाओं/बच्चियों की सुरक्षा को लेकर सरकारी व प्रशासनिक ढुलमुल रवैया बदल क्यों नहीं रहा। महिलाओं के प्रति अपराध थामने के लिए किए जाने वाले प्रचार, आयोग व दीवारों पर लिखे स्लोगन काफी नहीं कहे जा सकते। राजनीति को शिक्षा से दूर रखने की बात दशकों से होती रही है। उस पर राजनेताओं के अनर्गल बयानों से पीड़िता व उसके परिवार-परिचितों को होने वाले मानसिक कष्ट की भरपाई कैसे हो सकती है। कोलकाता के मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर के जघन्य रेप/हत्या के जख्म अभी ज्यों-के-त्यों हैं। ममता बनर्जी को राजनीति को हाशिए में ढकेलते हुए भावपूर्ण स्त्री के तौर पर कड़े कदम उठाने से चूकना नहीं चाहिए।

वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ मोदी सरकार का विकास मॉडल और प्रतिवाद रणनीति

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

वामपंथी उग्रवाद का हिस्सा शहरी नक्सली, एक ऐसा मुहावरा जिसने हाल के वर्षों में लोकप्रियता हासिल की है, शहरी क्षेत्रों में ऐसे व्यक्तियों और संगठनों को संदर्भित करता है जो माओवादी उग्रवाद के साथ सहानुभूति रखते हैं, उसका समर्थन करते हैं या सक्रिय रूप से सहायता करते हैं। शहरी नक्सली भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा हैं और शत्रुतापूर्ण देशों में उनके कई समर्थक हैं, जिनके साथ हम कई वर्षों से छद्म युद्ध लड़ रहे हैं। ये शहरी नक्सली स्थानीय विरोध को खरीदने की चाहत रखने वाले वैश्विक व्यापारिक दिग्गजों की तरह भारत के खिलाफ अपने हमले को आगे बढ़ाने के लिए प्रमुख माध्यम हैं। ये शहरी समर्थक छद्म बुद्धिमान, अच्छे वक्ता होते हैं और खुद को सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद या मानवाधिकार अधिवक्ता बताते हैं, लेकिन उनका असली लक्ष्य युवा, भोले-भाले दिमागों को भर्ती करके और माओवादी प्रचार करके देश को अस्थिर करना है। एनआईए के अध्ययन के अनुसार, कई फ्रंटल संगठन और छात्र विंग इस भर्ती प्रयास का नेतृत्व कर रहे हैं। ये संगठन कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में छात्रों की आदर्शवादिता और कमजोरी का फायदा उठाते हैं। वे सामाजिक न्याय के पैरोकार बनकर छात्रों को कट्टरपंथी मान्यताओं से भर देते हैं, उन्हें सरकार का विरोध करने और हिंसक, विद्रोही जीवनशैली अपनाने के लिए मजबूर करते हैं। इस जहरीली मानसिकता या विचारधारा के परिणामस्वरूप हम एक समाज और राष्ट्र के रूप में बहुत पीड़ित हैं। हालांकि, हाल के वर्षों में भारत की बहुआयामी वामपंथी उग्रवाद विरोधी नीति, जो सुरक्षा प्रवर्तन, समावेशी विकास और सामुदायिक भागीदारी को जोड़ती है, एक बड़ी सफलता रही है। आंदोलन धीरे-धीरे कम हो गया है, हिंसा में काफी कमी आई है और कई वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों को राष्ट्रीय मुख्यधारा में फिर से शामिल किया जा रहा है। भारत सरकार 31 मार्च, 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। वामपंथी उग्रवाद का छत्तीसगढ़, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र और पूर्वोत्तर राज्यों जैसे राज्यों के कुछ इलाकों पर प्रभाव पड़ा है। दशकों से उग्रवाद से संबंधित रक्तपात ने पूर्वोत्तर में जीवन को दबा दिया था। पिछले 11 वर्षों में सरकार ने महत्वपूर्ण उग्रवादी संगठनों के साथ 12 शांति संधियों पर बातचीत की है और 10,000 से अधिक विद्रोहियों ने अपने हथियार डाल दिए। मुख्यधारा के जीवन में प्रवेश किया है। बोडो शांति समझौता और ब्रू-रियांग पुनर्वास संधि जैसे ऐतिहासिक समझौतों ने न केवल शांति बहाल की, बल्कि इस क्षेत्र को मुख्यधारा में फिर से शामिल करने के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की। हाल ही में त्रिपुरा में एनएलएफटी और एटीटीएफ के साथ 2024 के समझौते ने 35 साल की लड़ाई को समाप्त कर दिया। इन ऐतिहासिक पहलों ने न केवल शांति में सुधार किया है, बल्कि स्थानीय समुदायों में विश्वास भी बढ़ाया है। इस शांति-केंद्रित दृष्टिकोण के स्पष्ट परिणाम के रूप में सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम को पूरे पूर्वोत्तर में कम कर दिया गया है। 2014 और 2024 के बीच, हिंसक घटनाओं में 70 प्रतिशत की कमी आई है। नरेन्द्र मोदी की सरकार ने नीतिगत सुधारों को भी लागू किया। 2015 में लुक ईस्ट से एक्ट ईस्ट नीति में परिवर्तन ने पूर्वोत्तर को एक सुदूर सीमा से दक्षिण-पूर्व एशिया के एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार में बदल दिया। कलादान मल्टीमॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट और बांग्लादेश के साथ अगरतला-अखौरा रेल लिंक जैसी प्रमुख पहलें व्यापार और गतिशीलता बढ़ाने के लिए सीमा पार कनेक्शन बना रही हैं। क्षेत्र का सांस्कृतिक पुनरुत्थान भी उतना ही महत्वपूर्ण रहा है। पहले नजरअंदाज किए गए पूर्वोत्तर भारत के समृद्ध सांस्कृतिक अतीत की अब राष्ट्रीय और विश्वव्यापी स्तर पर सराहना हो रही है। नॉर्थ ईस्ट जोन कल्चरल सेंटर जैसे सांस्कृतिक केंद्रों की स्थापना ने नगालैंड के हॉर्नबिल और मणिपुर के संगाई जैसे क्षेत्रीय त्योहारों को बढ़ावा दिया है। यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में चोराइदेओ के मोइदाम के शिलालेख ने क्षेत्र के सांस्कृतिक गौरव को बढ़ा दिया है। मुगा सिल्क, जोहा चावल, तेजपुर लीची, काजी नेमू और बोका चौल जैसे स्थानीय उत्पादों ने जीआई लेबल प्राप्त किए हैं, जिससे उनकी दृश्यता और आर्थिक मूल्य बढ़ गया है। इस पुनर्जीवित सांस्कृतिक पहचान और उन्नत बुनियादी ढांचे के परिणामस्वरूप पर्यटन फल-फूल रहा है। अकेले 2023 में इस क्षेत्र में लगभग 1.20 करोड़ घरेलू पर्यटक और 2.21 लाख विदेशी आगंतुक थे। पूर्वोत्तर भारत में कृषि, जो पहले अपने प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों के बावजूद कम प्रदर्शन से सीमित थी, एक शानदार बदलाव के दौर से गुजर रही है। उत्तर पूर्वी क्षेत्र के लिए मिशन ऑर्गेनिक वैल्यू चेन डेवलपमेंट जैसे विशिष्ट प्रयासों से 1.89 लाख से अधिक किसानों को सीधे लाभ हुआ है, जिससे 1.73 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र को जैविक खेती में बदल दिया है। इन किसानों को और सशक्त बनाने के लिए ''10,000 एफपीओ के गठन और संवर्धन'' पहल के हिस्से के रूप में 205 किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) स्थापित किए गए हैं, जो क्षेत्र के 15,500 किसानों को कवर करते हैं। ये एफपीओ सामूहिक सौदेबाजी की शक्ति को मजबूत करते हैं, प्रसंस्करण कौशल में सुधार करते हैं और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच को व्यापक बनाते हैं। भारत सरकार सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की खामियों को दूर करने के लिए विशेष केंद्रीय सहायता (एससीए) नामक एक विशेष योजना के अंतर्गत क्रमशः सबसे अधिक प्रभावित जिलों और चिंता के जिलों को 30 करोड़ और 10 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इसके अलावा, विभिन्न जिलों के लिए उनकी जरूरतों के आधार पर अनूठी पहल प्रदान की जाती है। वामपंथी उग्रवाद के हिंसक घटनाएं, जो 2010 में 1936 के शिखर पर थीं, 2024 में 374 तक गिर गई हैं, जो 81 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है। इसी तरह कुल मौतों की संख्या भी इस दौरान 85 प्रतिशत कम हुई है, जो 2010 में 1005 से 2024 में 150 हो गई है। भारत सरकार ने वामपंथी उग्रवाद के संबंध में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। पहला, नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में कानून का शासन स्थापित करना और सभी अवैध हिंसक कृत्यों को समाप्त करना। दूसरा, लंबे समय तक नक्सली आंदोलन के परिणामस्वरूप विकास से वंचित क्षेत्रों में नुकसान की शीघ्र भरपाई करना। वामपंथी उग्रवाद के खतरे से समग्र रूप से निपटने के लिए, वामपंथी उग्रवाद के लिए एक राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना को 2015 में मंजूरी दी गई थी। इसमें एक बहुआयामी रणनीति की परिकल्पना की गई है जिसमें सुरक्षा उपाय, विकास पहल, स्थानीय लोगों के अधिकारों और पात्रता की रक्षा आदि शामिल हैं। कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों में 48 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान और 61 कौशल विकास केंद्र स्थापित किए गए हैं। वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों में 178 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय चालू किए गए हैं। कौशल विकास योजना का विस्तार सभी 48 जिलों में किया गया। सुरक्षा बलों के लिए 1,143 आदिवासी युवाओं की भर्ती की गई। 2019 से अब तक सुरक्षा की कमी को पूरा करने के लिए 280 नए कैंप स्थापित किए गए हैं, 15 नए संयुक्त कार्य बल बनाए गए हैं और विभिन्न राज्यों में राज्य पुलिस की मदद के लिए 6 सीआरपीएफ बटालियन भेजी गई हैं। इसके साथ ही नक्सलियों के वित्त को काटने के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सक्रिय करके एक आक्रामक योजना लागू की गई है, जिसके परिणामस्वरूप उनके लिए वित्तीय संसाधनों की कमी हो गई है। नक्सलियों को घेरने और उन्हें भागने से रोकने के लिए कई लंबी अवधि के ऑपरेशन किए गए। दो अक्टूबर 2024 को प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड से 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' की शुरुआत की। यह पहल 15,000 से अधिक गांवों में पूर्ण ग्रामीण संतृप्ति के लिए व्यक्तिगत सुविधाएं प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण क्षण होगा, जिससे वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में 1.5 करोड़ से अधिक लोगों की मदद होगी। वामपंथी उग्रवाद प्रभावित समुदायों में, सरकार 3-सी कनेक्शन बढ़ा रही है, जिसमें सड़क, मोबाइल और वित्तीय संपर्क शामिल हैं। 2014 में 330 पुलिस स्टेशन ऐसे थे, जहां नक्सली घटनाएं हुईं, लेकिन अब यह संख्या घटकर 104 रह गई है। पहले नक्सल प्रभावित क्षेत्र 18,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक था, लेकिन अब यह केवल 4,200 वर्ग किलोमीटर रह गया है। 2004 से 2014 के बीच नक्सली हिंसा के 16,463 मामले सामने आए। हालांकि, 2014 से 2024 के बीच हिंसक घटनाओं की संख्या में 53 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो 7,744 पर पहुंच गई है। इसी तरह, सुरक्षा बलों के हताहतों की संख्या में 73 प्रतिशत की कमी आई है, जो 1,851 से घटकर 509 हो गई है। 2014 तक 66 किलेबंद पुलिस स्टेशन थे, लेकिन पिछले दस सालों में यह संख्या बढ़कर 612 हो गई है। पिछले पांच सालों में 302 नए सुरक्षा कैंप और 68 नाइट लैंडिंग हेलीपैड बनाए गए हैं। वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ भारत के बहुआयामी अभियान ने उग्रवाद को क्षेत्रीय और परिचालन दोनों ही दृष्टि से बुरी तरह से कमजोर कर दिया है।

पर्यावरण के रचनात्मक प्रशासन के जरिए सतत् हरित बदलाव

भूपेंद्र यादव

पर्यावरण कुजनेट्स वक्र (एनवायरनमेंट कुजनेट्स कर्व) से हासिल पर्यावरण के प्रशासन से जुड़ा पारंपरिक ज्ञान यह मानता है कि देश पहले विकास करते हैं और बाद में सफाई में जुटते हैं। यह अनुभवजन्य अंतर्दृष्टि अब विकसित हो चुके उन देशों के अनुभवों से प्रेरित है, जिन्होंने विकास की प्रक्रिया में संसाधन संबंधी जरूरतों को पूरा करने हेतु देश और विदेश में प्राकृतिक पर्यावरण का दोहन किया। लेकिन ऐसी सुविधा भारत जैसे देशों को नसीब नहीं है, जिन्हें अपनी विशाल आबादी की विकास संबंधी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अभी भी तेज गति से विकास करने की जरूरत है। जब 2014 में एनडीए सत्ता में आई, तो चुनौती हमारे दूरदर्शी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मूल सिद्धांतों - सुधार, प्रदर्शन और बदलाव - पर आधारित विकास एवं प्रगति को गति देने की थी। इन सिद्धांतों में जरूरत के हिसाब से पर्यावरण की सुरक्षा के सख्त उपायों से समझौता किए बिना 'व्यवसाय करने में आसानी की सुविधा प्रदान करते हुए तेजी गति से विकास करना शामिल था। आज 2025 में, हम न सिर्फ इस चुनौती से निपट पाने में सफल रहे हैं बल्कि हमने शासन का एक ऐसा मॉडल तैयार किया है जिसे सारी दुनिया ने माना है। प्रधानमंत्री मोदी का दृष्टिकोण बिल्कुल साफ थाः इस प्रणाली को एक ऐसी प्रणाली में बदला जाए जो इकोलॉजी और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए फायदेमंद हो। वर्ष 2014 में 'स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत हमारी पहली बड़ी पहल थी। यह पहल स्वच्छता से आगे बढ़कर कचरे के प्रबंधन व पर्यावरण के संरक्षण के लिए एक व्यापक ढांचा स्थापित करने तक जा पहुंची। इस मिशन ने पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं को सामाजिक विकास के साथ जोड़ने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाया। इस मिशन को सभी नागरिकों को शामिल करते हुए एक जन आंदोलन के रूप में शुरू किया गया था और एक स्वच्छ एवं संसाधन के मामले में अपेक्षाकृत अधिक कुशल भारत की चाहत को आगे बढ़ाया गया था। विभिन्न शहरों में नागरिकों को पारदर्शी तरीके से वास्तविक समय में वायु की गुणवत्ता की निगरानी से जुड़ी सुविधा प्रदान करने के तुरंत बाद राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता सूचकांक का शुभारंभ किया गया। वर्ष 2014 में शुरू की गई 'मेक इन इंडिया पहल में भी कड़े पर्यावरण अनुपालन मानकों को शामिल किया गया। इससे यह साबित हुआ कि हम इकोलॉजी की स्थिरता को बनाए रखते हुए मैन्यूफैक्चरिंग को अपेक्षाकृत बड़े पैमाने पर और तेज गति से बढ़ावा दे सकते हैं। ऊर्जा संबंधी दक्षता को बढ़ावा देने और ऊर्जा पर आधारित अधिक संख्या में उद्योगों को शामिल करने के उद्देश्य से 2015 में प्रदर्शन, उपलब्धि और व्यापार (पीएटी) योजना का विस्तार किया गया। इससे ऊर्जा संबंधी दक्षता के लिए एक बाजार-आधारित तंत्र का निर्माण हुआ। कचरे के कारगर प्रबंधन, संसाधन संबंधी दक्षता में बढ़ोतरी और चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 2016 से कचरे के प्रबंधन के सभी प्रमुख नियमों को नियमित रूप से अद्यतन किया जा रहा है। इस दृष्टिकोण का बुनियादी सिद्धांत बाजार आधारित तंत्र और प्रदूषक द्वारा भुगतान के सिद्धांत पर आधारित विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व से जुड़े ढांचे पर निर्भरता में निहित है। प्लास्टिक कचरा प्रबंधन नियम, ई-कचरा प्रबंधन नियम तथा टायर, बैटरी एवं प्रयुक्त तेल अपशिष्ट प्रबंधन नियम आदि इन्हीं सिद्धांतों के आधार पर तैयार किए गए थे। इससे एक ऐसे इकोसिस्टम का निर्माण हुआ, जिसके तहत विभिन्न सामग्रियों के लगभग 4,000 पुनर्चक्रणकर्ताओं को पंजीकृत पुनर्चक्रणकर्ताओं के रूप में अनौपचारिक क्षेत्र से हटाकर औपचारिक क्षेत्र में लाया गया है। इस कदम से वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 1600 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ है। वर्ष 2022 में शुरू किए गए विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) पोर्टल चक्रीय अर्थव्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कुल 61,055 उत्पादकों ने प्लास्टिक पैकेजिंग, ई-कचरा, बेकार टायर, बैटरी के कचरे और प्रयुक्त तेल के क्षेत्र में काम करने हेतु ईपीआर पोर्टल पर पंजीकरण कराया है। अपशिष्ट नियम, 2022 के प्रकाशन और ईपीआर पोर्टल की शुरूआत के बाद, शोधित अपशिष्ट की मात्रा वित्तीय वर्ष 2024-25 में इन नियमों के प्रकाशन से पहले 3.6 एमएमटी प्रति वर्ष की तुलना में बढ़कर 127.48 एमएमटी प्रति वर्ष हो गई है। यह सभी हितधारकों के सहयोग एवं समर्थन से संभव हुआ है। प्रक्रियागत देरी में कमी लाने और एक व्यापक पर्यावरणीय मूल्यांकन करने के उद्देश्य से 2018 में 'परिवेश (प्रो-एक्टिव एंड रिस्पॉन्सिव फैसिलिटेशन बाई इंटरएक्टिव, वर्चुअस एंड एनवायरनमेंटल सिंगल-विंडो हब) नाम के एक ऑनलाइन आईटी टूल का शुभारंभ किया गया। प्रधानमंत्री मोदी के 'डिजिटल इंडिया के विजन को साकार करते हुए, इस डिजिटल प्लेटफॉर्म ने व्यवसाय जगत और पर्यावरण नियामकों के बीच के संवाद में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया है। 'परिवेश ने पर्यावरण संबंधी मंजूरी की बोझिल एवं कागज-आधारित प्रक्रिया को एक सुव्यवस्थित एवं मजबूत डिजिटल अनुभव में बदल दिया है। इस दृष्टिकोण ने जहां पर्यावरण से जुड़े सख्त मूल्यांकन को बनाए रखा है, वहीं इस प्रक्रिया में लगने वाले समय में काफी कमी ला दी है और पारदर्शिता को बढ़ाया है। वर्ष 2019 में शहरों पर केन्द्रित कार्य योजनाओं से लैस 'राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के आधिकारिक शुभारंभ ने हमें नीति निर्माता एवं नियामक से बदलकर अमल करने वाला बना दिया है। एनसीएपी का लक्ष्य 2025-26 तक पीएम10 सांद्रता में 40 प्रतिशत की कमी लाना या आधार वर्ष 2017-18 की तुलना में 60 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर के राष्ट्रीय मानक को हासिल करना है। एनसीएपी के साथ-साथ सीपीसीबी ने एनसीएपी के तहत आने वाले 131 शहरों में वायु की गुणवत्ता के रुझान की बारीकी से निगरानी करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे वायु की गुणवत्ता निरंतर बेहतर हुई है। वर्ष 2021 में, गैर-प्राप्ति वाले शहरों में वायु गुणवत्ता के नियमन हेतु पोर्टल (पीआरएएनए) को कागज रहित परियोजना प्रबंधन के एकल बिंदु वाले वेब-आधारित उपकरण के रूप में शुरू किया गया। इससे स्वच्छ वायु से जुड़े उपायों के कार्यान्वयन की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति पर नजर रखना संभव हो सकेगा। 1 जुलाई, 2022 से एकल उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध और 31 दिसंबर 2022 से 120 माइक्रोन से अधिक मोटाई वाली प्लास्टिक शीट पर प्रतिबंध ने जहां पर्यावरण के क्षेत्र में साहसिक नेतृत्व का परिचय दिया, वहीं उसी वर्ष शुरू किए गए 'जल जीवन मिशन ने पानी की सुलभता को पर्यावरणीय स्थिरता के साथ जोड़ा। एक व्यापक 'भारत शीतलन कार्य योजना विकसित करके भारत दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल हो गया है। इस कार्य योजना में विभिन्न क्षेत्रों की शीतलन संबंधी जरूरतों को पूरा करने वाले एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण समावेश है तथा इसमें ऐसे कार्यों की सूची दी गई है, जो शीतलन से जुड़ी मांग को कम करने में सहायक हो सकते हैं। विभिन्न क्षेत्रों में शीतलन की जरूरत होती है तथा यह आर्थिक विकास का एक अनिवार्य हिस्सा है। आवासीय एवं वाणिज्यिक भवन, कोल्ड-चेन, प्रशीतन, परिवहन और उद्योग जैसे अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में इसकी जरूरत पड़ती है।

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज आप बिजनेस को बड़ा बनाने का प्रयास करेंगें, जिसमें आपको बढ़िया धन लाभ होगा। आज महिलाओं को खुद के लिए समय मिलेगा, जिससे वो पसंद का काम कर पाएंगी। छात्रों के लिए आज अच्छा दिन है , उनको पढाई में शिक्षकों का पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। आज आपके वो सारे काम बनेगे जिनके लिए आप इतने दिनों से परेशान थे। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में सुधार होगा , माता - पिता के आशीर्वाद से सब ठीक होगा। वकीलों के लिए आज अच्छा दिन है , आज उनको केस से जुड़े मामलों में सफलता मिलेगी। आज आपको स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं से राहत मिलेगी, जिससे आज आप खुद को बेहतर महसूस करेंगें।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आज आपको व्यापार में बढ़िया धन लाभ होगा , लेकिन परिश्रम की अधिकता रहेगी। आज आप किसी सामाजिक समारोह में शामिल होंगे। छात्रों को आज अपने सहपाठी का सहयोग मिलेगा, जिससे उनका छूटा हुआ काम पूरा हो जायेगा। आज ऑफिस में आपके बॉस किसी बड़े प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा करेंगें।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आप प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट करने का प्लान बना सकते है, आज आपको बढ़िया डील मिलने की संभावना है। आज आप किसी जरूरतमंद की मदद करेंगें , जिससे आपको ख़ुशी मिलेगी। दाम्पत्य जीवन खुशहाल बना रहेगा , बच्चों का सहयोग प्राप्त होगा। पैतृक सम्पत्ति को लेकर चल रहे किसी मामलें में आज उसका समाधान होगा। आज आप ज्यादा से ज्यादा समय आध्यात्म में बिताएंगे , जिससे आप मानसिक शांति का अनुभव करेंगें।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। कंस्ट्रक्शन का काम करने वालों को आज बड़ा ऑफर मिलने वाला है। आज आप भौतिक सामान की खरीदारी करने जा सकते है। शादीशुदा रिश्तों में सुधार होगा , जिससे मन प्रसन्न रहेगा। आज बच्चे किसी बात को लेकर जिद कर सकते है , आप उनको प्यार से समझाएं। लवमेट के लिए आज अच्छा दिन है , आज आप लोग खूब इंजॉय करेंगें। राजनीति में कार्य करने वाले व्यक्तियों को आज अच्छी खबर मिलेगी।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए लाभप्रद रहेगा। रोजगार की तलाश कर रहे व्यक्तियों के लिए आज नए मार्ग प्रशस्त होंगें , जिससे उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी। कर्ज में डूबे हुए व्यक्तियों को आज कर्ज से राहत मिलने वाली है। आज आप किसी धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन कर सकते है।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज आपको व्यापार में बड़ा धन लाभ होगा, जिससे आपको भौतिक सुख की प्राप्ति होगी। अविवाहित व्यक्तियों को आज, विवाह के लिए अच्छा रिश्ता आएगा, जिन लोगों को अच्छे घर फ्लैट की तलाश थी, आज उनको बढ़िया डील मिलेगी।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आप टीवी डिबेट में बहुत अच्छे से परफोर्म करेंगे, विरोधियों को अपने सामने टिकने नहीं देंगे। नौकरी का इंतजार कर रहे व्यक्तियों को, आज अच्छा ऑफर मिलेगा। आज आप ज्यादा से ज्यादा समय पढ़ने-लिखने में बिताएंगे। छात्र जीवन से जुडी समस्याओं का समाधान होगा।

धनु राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपको बिजनेस में बड़ा आर्डर मिलने की संभावना है। किसी शारीरिक समस्या से आपको निजात मिलेगी, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा, बच्चों के साथ आज आप डिनर पर जायेंगे। साइबर सुरक्षा से जुड़े व्यक्तियों को आज एक अहम जानकारी मिलेगी।

मकर राशिः आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापारिक दृष्टि से आज आपको धन लाभ होगा, पारिवारिक माहौल खुशनुमा बना रहेगा। आज आपके बच्चे आपसे अपनी प्रॉब्लम शेयर करेंगें, आपको उनकी बात ध्यान से सुननी चाहिए।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आपको बिजनेस में बड़ा धन लाभ होगा, आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। आज आपमें कमाल का आत्मविश्वास देखने को मिलेगा, जिससे लोग आपसे प्रभावित होंगें। कला जगत से जुड़े हुए व्यक्तियों को आज किसी अनुभवी व्यक्ति से सम्मान प्राप्त होगा।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आप अपने बेटे के साथ मिलकर व्यापार को एक नई दिशा प्रदान करेंगें। आज आप किसी सामूहिक समारोह में शामिल हो सकते है। आज आपको मानसिक उलझन से राहत मिलेगी, जिससे आपका काम में मन लगेगा।

बदलने लगे पाकिस्तान के सुर, उठने लगी हाफिज सईद और मसूद अजहर को भारत को सौंपने की मांग

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

आतंकवाद को संरक्षण देने में जिस देश का दुनिया भर में नाम बदनाम हो, यदि वह भारत के गुनहगार आतंकियों को भारत को सौंपना स्वीकार कर ले और इस तरह की मांग जनता एवं राजनेताओं के बीच से आने लगे तो समझ लिया जाए कि पाकिस्तान की हालत लगातार बद से बदतर होती जा रही है। सोचनेवाली बात यह है कि अब जब मानसून का दौर चल रहा है, नदियां उफान पर हैं, तब पाकिस्तान में पानी का संकट गहराता दिख रहा है। ऐसे में जब तेज गर्मी का मौसम होगा, तब क्या हालात यहां पैदा होंगे इसका आज सहज अंदाजा ही लगाया जा सकता है। वस्तुतः 22 अप्रैल को जम्मू एवं कश्मीर के पहलगाम में लश्कर से जुड़े आतंकवादियों द्वारा किए गए आतंकी हमले के बाद भारत ने पड़ोसी देश में आतंकी शिविरों को निशाना बनाकर ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इसके बाद ब्रह्मोस की मार से घायल पाकिस्तान को आखिर में 10 मई को भारत के साथ शांति "समझौता" करने के लिए विवश होना पड़ा था। वहीं, भारत की ओर से पाकिस्तान पर जो प्रतिबंध लगाए गए, वह अब भी निरंतर हैं। ऐसे में पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने पाकिस्तान की ओर से विश्वास बहाली के उपाय के रूप में 'जांच के दायरे में आए व्यक्तियों' को भारत को प्रत्यर्पित करने में कोई आपत्ति नहीं होने की बात कही है, वह बहुत ही गौर करने लायक है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल का कहना है कि लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सईद और जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर को संभावित समझौते और सद्भावनापूर्ण रुख के तहत भारत को प्रत्यर्पित करने के बारे में विचार किया जा सकता है। पाकिस्तान हाफिज और मसूद अजहर को भारत को सौंपने के लिए तैयार है, लेकिन जरूरी यह है कि इसके लिए नई दिल्ली का पूरा सहयोग मिले। यहां बिलावल यह दावा करते हुए भी दिखे कि पाकिस्तान के साथ एक व्यापक वार्ता के हिस्से के रूप में, जहां आतंकवाद उन मुद्दों में से एक है जिन पर हम चर्चा करते हैं, मुझे यकीन है कि पाकिस्तान इनमें से किसी भी चीज का विरोध नहीं करेगा। राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक प्राधिकरण (नैक्टा) के अनुसार, लश्कर-ए-तैयबा

और जैश-ए-मोहम्मद दोनों को पाकिस्तान ने प्रतिबंधित कर रखा है, जबकि 26/11 मुंबई आतंकी हमले का मुख्य षड्यंत्रकारी हाफिज सईद वर्तमान में आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए 33 साल की सजा काट रहा है। इसी तरह संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक आतंकवादी घोषित अजहर को भी नैक्टा ने प्रतिबंधित कर रखा है। पर इन दोनों आतंकियों के बारे में यहां हकीकत क्या है, वह किसी से आज छिपा हुआ नहीं है। कहना होगा कि भारत के सबसे वांछित आतंकवादियों में से एक अजहर का नाम भारत में कई बड़े हमलों से जुड़ा है, जिसमें 2001 का संसद हमला, 26/11 का मुंबई हमला, 2016 का पठानकोट एयरबेस हमला और 2019 का पुलवामा आत्मघाती हमला शामिल है। इसके अलावा भी अन्य कई हमलों में उसका एवं उसके संगठन का नाम सामने आया है, यही कारण रहा कि उसे 2019 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक आतंकवादी घोषित किया गया था। इसके बाद भी पाकिस्तान का इस आतंकवादी पर नर्म रुख लगातार देखने को मिला है। दूसरी ओर भारत का रुख पहले दिन से स्पष्ट है, इसलिए ही पाकिस्तान से उसके संबंध तभी से तनावपूर्ण बने हुए हैं, भारत यह मांग कर रहा है कि सभी आतंकियों पर कठोर कार्रवाई करने के साथ वह उन सभी को भारत कि लिए प्रत्यार्पित करे। इतना होने के बाद भी भारत ने बीच-बीच में हर संभव प्रयास किया कि पाकिस्तान के साथ पड़ोसी धर्म निभाया जाए, वह एक बड़े भाई की भूमिका में भी नजर आया। संबंध सुधारने के लिए हर संभव प्रयास किए गए, यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पहले कार्यकाल के शुरुआती सालों में पाकिस्तान के साथ अच्छे रिश्ते बनाने की कोशिश करते हुए 25 दिसंबर, 2015 को ही अचानक पाकिस्तान पहुंचने में संकोच नहीं किया, उस दिन वे तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पोती की निकाह में भी शामिल हुए थे। उन्होंने नवाज़ शरीफ को अफगानिस्तानी स्टाइल का गुलाबी साफा भी तोहफे में दिया था, जिसे शरीफ पहने हुए भी नजर आए थे। कूटनीति की मेज पर शंति बहाली के प्रयास किए गए, पर हर बार पाकिस्तानी आतंकियों ने भारत के विश्वास को तोड़ा। जिसके बाद भारत सरकार का यह स्पष्ट मत बना है कि वह पाकिस्तान के साथ आगे की कोई भी चर्चा केवल आतंकवाद और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर ही करेगा। भारत ने आज पाकिस्तानियों का वीजा रद्द करने के साथ ही अटारी-वाघा सीमा क्रॉसिंग बंद करना, आयात-निर्यात को पूरी तरह से रोकना, अपना हवाई क्षेत्र बंद करने जैसे कई प्रतिबंध आतंकवाद के विरोध में भारत ने पाकिस्तान पर लागू किए हैं। ऐसे में स्वभाविक है कि पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल जो आज कह रहे हैं, वह बहुत अहम हो जाता है, क्योंकि इस बात को अभी एक माह भी नहीं हुआ है, जब उन्होंने भारत के खिलाफ जमकर जहर उगला था। बिलावल भारत को चेतावनी दे रहे थे कि अगर पाकिस्तान का पानी रोकने की कोशिश की गई तो देश के लिए युद्ध ही एकमात्र विकल्प रह जाएगा। यहां तक कि बिलावल के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय पाकिस्तानी संसदीय प्रतिनिधिमंडल भारत के साथ संघर्ष करने की बात कहने के बाद अपने देश का पक्ष रखने के लिए वाशिंगटन, न्यूयॉर्क और लंदन पहुंचा था। यह प्रतिनिधिमंडल अमेरिका में भारी बेइज्जती के बाद यूरोपीय यूनियन के नेताओं को बरगलाने के लिए ब्रसेल्स भी पहुंचा। जहां अमेरिका की तरह ही यूरोप में कई सांसदों और जिम्मेदार पदाधिकारियों ने पाकिस्तान से आए इस प्रतिनिधिमंडल के समक्ष आतंकवाद का साथ छोड़ने और आतंकवादियों को भारत प्रत्यर्पित करने को कहा था। भारत ने भी दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि पाकिस्तान के साथ पानी और खून एक साथ नहीं बहाए जा सकते।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

एजबेस्टन टेस्ट के बाद बोले कप्तान शुभमन गिल- गेंदबाज़ों की मदद नहीं तो खेल का मज़ा नहीं

एजबेस्टन, टेस्ट में बतौर कप्तान पहली जीत दर्ज करने के बाद भी शुभमन गिल ने कहा कि जब गेंदबाज़ों को मदद नहीं मिलती और खेल पूरी तरह बल्लेबाज़ों के पक्ष में झुक जाता है, तो टेस्ट क्रिकेट अपनी असली भावना खो देता है। भारत ने इंग्लैंड को 336 रनों से हराकर सीरीज़ 1-1 से बराबर कर ली। गिल ने इस मैच में 269 और 161 रनों की दो शानदार पारियां खेलीं और कुल 430 रन बनाए। लेकिन इसके बावजूद उन्होंने कहा कि फ्लैट पिच और जल्दी नरम हो रही ड्यूक गेंद के कारण गेंदबाज़ी बेहद मुश्किल हो गई थी।

मैच के बाद गिल ने कहा, "बॉल बहुत जल्दी सॉफ्ट और आउट ऑफ शेप हो रही है। पता नहीं मौसम की वजह से या पिच की वजह से, लेकिन गेंदबाज़ों के लिए विकेट लेना बहुत मुश्किल हो रहा है।"

उन्होंने कहा, "अगर सिर्फ 20-30 ओवर ही मदद मिलती है और बाकी दिन रन रोकने की सोचते रहना पड़े, तो फिर खेल का मज़ा ही नहीं रह जाता। बैट और बॉल के बीच बैलेंस बहुत ज़रूरी है।"

आकाश दीप और सिराज की तारीफ

गिल ने इस टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करने वाले तेज़ गेंदबाज़ों आकाश दीप और मोहम्मद सिराज की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा, "दोनों ने मिलकर 16-17 विकेट लिए, जो कि बुमराह भाई के बिना बहुत बड़ी बात है। बहुत लोगों को शक था कि हम 20 विकेट निकाल पाएंगे या नहीं, लेकिन इन दोनों ने कमाल कर दिया।"

उन्होंने प्रसिद्ध कृष्णा की भी सराहना की, जिन्होंने आखिरी दिन पहली स्पेल में शानदार गेंदबाज़ी की, हालांकि उन्हें विकेट नहीं मिला।

इंग्लैंड की फ्लैट पिचों पर चुटकी

गिल ने मज़ाक में कहा कि इंग्लैंड शायद अब इतनी फ्लैट पिच दोबारा नहीं बनाएगा। उन्होंने कहा कि भारत को टेस्ट में लंबे समय तक बल्लेबाज़ी करने का फायदा मिला।

गिल ने कहा, "अब तक जितने भी दिन खेले गए हैं, उनमें से ज़्यादातर दिन हम बल्लेबाज़ी कर रहे थे, जो हमारे लिए अच्छा है। अगर हम लगातार 300-400 रन बना सके, तो हम हर मैच में बने रहेंगे।"

गिल ने वॉशिंगटन सुंदर के साथ सातवें विकेट के लिए हुई अहम शतकीय साझेदारी का ज़िक्र भी किया और बताया कि वही साझेदारी टीम की बढ़त को मनोवैज्ञानिक रूप से मज़बूत बना गई।

एएफसी कप क्वालीफिकेशन पर भारतीय महिला टीम को 42.75 लाख का इनाम

नई दिल्ली । अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने रविवार को भारतीय महिला फुटबॉल टीम को एएफसी महिला एशियन कप 2026 के लिए क्वालीफाई करने पर 50,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 42.75 लाख) के इनाम की घोषणा की। महिला टीम' ने शनिवार को ग्रुप स्टेज के अंतिम मुकाबले में मेज़बान और उच्च रैंकिंग वाली थाईलैंड की टीम को 2-1 से हराकर अगले साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले एशियन कप के लिए क्वालीफाई किया। इससे पहले भारत ने मंगोलिया को 13-0, तिमोर-लेस्ते को 4-0 और इराक को 5-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की थी। एआईएफएफ ने एक बयान में कहा, "हालांकि मैदान पर नतीजे एकतरफा लग सकते हैं, लेकिन ये पिछले कुछ वर्षों की निरंतर योजना और विकासात्मक प्रयासों का परिणाम हैं। इस सफलता के लिए कोई शॉर्टकट नहीं था—यह एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण और संरचित तैयारी का परिणाम है।" टीम के लिए फारवर्ड प्यारी शाशा सबसे ज़्यादा गोल करने वाली खिलाड़ी रहीं। उन्होंने मंगोलिया के खिलाफ पहले ही मुकाबले में पांच गोल किए। गौरतलब है कि अगले साल होने वाला एशियन कप महिला विश्व कप 2027 और लॉस एंजेलेस ओलंपिक 2028 के लिए क्वालिफायर के तौर पर भी कार्य करेगा।

अरब देश बहरीन में झांसी की नन्ही जलपरी जिया यादव भारत की ओर से दिखाएगी दमखम

एशियन यूथ गेम्स की बैक स्ट्रोक स्पर्धा में दिखाएगी अपना दम

झांसी, वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की वीर भूमि झांसी के किसान की नन्ही जलपरी बेटी जिया यादव का चयन भारतीय यूथ स्विमिंग टीम में किया गया है। बहरीन में 23 से 27 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली एशियन यूथ गेम्स में जिया ग्रुप ए कैटिगरी (15 से 17) वर्ष आयु वर्ग की 50 मी.एवं 100 मी. बैक स्ट्रोक स्पर्धा में अपना दम दिखाएंगी। जिया यादव ने राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में दमदार प्रदर्शन कर भारतीय टीम में जगह बनाई है। गत वर्षों में सब जूनियर एवं जूनियर वर्ग की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में कई स्वर्ण पदक की जीत कर भारतीय टीम में जगह बनाने में कामयाब हो सकी। बेक स्ट्रोक में महारथ रखने वाली जिया यादव ने खेल विश्लेषक बृजेंद्र यादव से बातचीत में बताया कि वह माध्यम वर्गीय परिवार से आती हैं, उनके पिता विजय यादव हंसारी में दुग्ध डेरी का व्यवसाय कर परिवार का भरण पोषण करते हैं। जिया ने बताया कि झांसी में 15 मीटर के स्विमिंग पूल से ही मैंने तैराकी का शुरुआत सफर शुरू किया था,कुछ ही समय में मुझे राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खेलने का अवसर मिला जहां मैं पदक जीत कर सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। यह पहला मौका होगा जब मैं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपने देश का प्रतिनिधित्व करुंगी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश स्विमिंग एसोसिएशन के सचिव शिवम कपूर ने मेरी प्रतिभा को देख कर नई दिल्ली में एस.एफ. आई. ग्लेनमार्क स्विमिंग अकादमी में ट्रेनिंग के लिए दाखिला कराया। वहां मुझे राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षक पार्थ मजूमदार ट्रेनिंग प्रदान कर रहे हैं। उनसे जब पूछा गया कि भारत देश का प्रतिनिधित्व करने पर कैस लग रहा है,तो जिया ने कहा देश के लिए खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है। उन्होंने अपने माता पिता के साथ-साथ सभी अपने मार्गदर्शक शुभचिंतकों का भी आभार व्यक्त किया।

मनु भाकर के नेतृत्व में एशियन शूटिंग चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली, भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने सोमवार को कजाखस्तान के शिमकेन्ट में 16 से 30 अगस्त तक होने वाली 16वीं एशियन शूटिंग चैंपियनशिप के लिए 35 सदस्यीय सीनियर भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। इस टीम की कप्तानी डबल ओलंपियन मनु भाकर करेंगी, जो दो व्यक्तिगत इवेंट में भाग लेने वाली एकमात्र भारतीय शूटर हैं। **मनु भाकर दो इवेंट्स में लेंगी हिस्सा** मनु भाकर महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगी। उनका चयन इस बार भी बताता है कि वह भारतीय शूटिंग में अपना दबदबा बनाए हुए हैं। **सीनियर टीम में अनुभवी और ओलंपियन शूटर शामिल** सीनियर टीम में कई अनुभवी और ओलंपियन शूटर भी शामिल हैं। इनमें पूर्व वर्ल्ड चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल (पुरुष 10 मीटर एयर राइफल), ओलंपियन अंजुम मौदगिल (महिला 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन), ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, सौरभ चौधरी (पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल), और किनान चेनई (ट्रैप शूटिंग) शामिल हैं। इसके अलावा ईशा सिंह (25 मीटर पिस्टल), मेहुली घोष (एयर राइफल) और किरण अंकुश जाधव (एयर राइफल) जैसे नाम भी दोनों सीनियर स्क्वॉड्स का हिस्सा होंगे। **स्वप्निल कुसेले और राही सरनोबत की वापसी** ओलंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट स्वप्निल कुसेले और एशियन गेम्स की पूर्व स्वर्ण पदक विजेता व ओलंपियन राही सरनोबत को निंगबो (चीन) में 7 से 15 सितंबर तक होने वाले ISSF वर्ल्ड कप के लिए टीम में शामिल किया गया है। **जूनियर टीमों की भी घोषणा** एनआरएआई ने सितंबर-अक्टूबर में भारत में होने वाले ISSF जूनियर वर्ल्ड कप और साथ ही जूनियर एशियन चैंपियनशिप के लिए भी टीमें घोषित की हैं। दोनों 36 सदस्यीय जूनियर टीमों में एकमात्र बदलाव ओलंपियन राइज़ा ढिल्लों के रूप में आया है, जो दिल्ली वर्ल्ड कप की जूनियर वीमेन स्कीट टीम में शामिल हैं, जबकि मानसी रघुवंशी को जूनियर एशियन चैंपियनशिप टीम में जगह दी गई है। एनआरएआई की यह घोषणा आगामी अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में भारत की रणनीति और युवा प्रतिभाओं को मंच देने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है।

व्यापार

सीमित दायरे में कारोबार करने के बाद मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ बाजार, निवेशकों के 24 हजार करोड़ डूबे

नई दिल्ली, सप्ताह के पहले कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार सीमित दायरे में कारोबार करने के बाद सांकेतिक बढ़त के साथ सपाट स्तर पर बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक दिन भर उतार-चढ़ाव का सामना करते रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.01 प्रतिशत और निफ्टी 0.001 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। आज दिन भर कारोबार के दौरान आईटी, डिफेंस और मेटल सेक्टर के शेयरों में लगातार दबाव बना रहा। इसी तरह बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, फार्मास्यूटिकल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी का रुख बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज दबाव में कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई सांकेतिक मजबूती के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई बिकवाली के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 460.99 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 461.23 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 24 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,261 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,710 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,360 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 191 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,675 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,008 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,667 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर बढ़त के साथ और 18 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 22 शेयर हरे निशान में और 28 शेयर लाल निशान में बंद हुए। **बीएसई का सेंसेक्स आज 34.81 अंक की कमजोरी के साथ 83,398.08 अंक के स्तर पर खुला**। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में उतार-चढ़ाव होने लगा। खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स 83.93 अंक की मजबूती के साथ 83,516.82 अंक तक पहुंचा। इसी तरह बिकवाली का दबाव बनने पर इस सूचकांक ने 170.66 अंक की कमजोरी के साथ 83,262.23 अंक तक गोता भी लगाया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 9.61 अंक की मामूली बढ़त के साथ 83,442.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 10.55 अंक फिसल कर 25,450.45 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों के बीच होड़ शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल पूरे दिन सीमित दायरे में ऊपर नीचे होती रही। लिवाली का सपोर्ट मिलने पर निफ्टी 28.80 अंक की तेजी के साथ 25,489.80 अंक तक पहुंचा। इसी तरह बिकवाली का दबाव बनने पर ये सूचकांक 53.75 अंक टूट कर 25,407.25 अंक के स्तर तक गिर गया। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद निफ्टी 0.30 अंक की सांकेतिक मजबूती के साथ 25,461.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

मार्क लोएरे ने आईपीओ निवेशकों को किया निराश, कमजोर लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

नई दिल्ली, महिलाओं के लिए फुटवियर बनाने वाली कंपनी मार्क लोएरे फैशंस के शेयरों ने कमजोर लिस्टिंग से अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 100 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 80 रुपये के स्तर पर ही हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण थोड़ी ही देर में ये शेयर गिरकर 76 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। इस तरह पहले दिन के ही कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 24 प्रतिशत का नुकसान हो गया। मार्क लोएरे फैशंस का 21 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 से 2 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.61 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.60 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 3.61 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 21 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने आउटलेट खोलने, मल्टी पर्पस रैक्स खरीदने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मामूली उतार चढ़ाव के बावजूद मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 66 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 4.08 करोड़ रुपये हो गया। इसके अगले वित्त वर्ष 2024-25 में शुद्ध लाभ उछल कर 4.71 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 6 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 42.46 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी कीमत

नई दिल्ली, घरेलू सर्राफा बाजार में आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 500 रुपये से लेकर 540 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। इसी तरह चांदी के भाव में भी आज 100 रुपये की सांकेतिक कमजोरी नजर आ रही है। भाव में गिरावट आने की वजह से आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 98,250 रुपये से लेकर 98,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,100 रुपये से लेकर 90,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में मामूली गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,09,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 98,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,250 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 98,290 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,100 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 98,290 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 98,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 98,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 98,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 90,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव के बीच शेयर बाजार में दबाव, सपाट स्तर पर सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली, घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी मामूली कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही लिवालों और बिकवालों ने एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू कर दी, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल भी ऊपर नीचे होती रही। 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.02 प्रतिशत और निफ्टी 0.012 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, आयशर मोटर्स और बजाज फिनसर्व के शेयर 1.75 प्रतिशत से लेकर 0.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एटरनल, टेक महिंद्रा, हिंडाल्को और एचसीएल टेक्नोलॉजी के शेयर 2.33 प्रतिशत से लेकर 0.90 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,462 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,239 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,223 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 13 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 28 शेयर हरे निशान में और 22 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स आज 34.81 अंक की कमजोरी के साथ 83,398.08 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में उतार-चढ़ाव होने लगा। खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स उछल कर 83,516.82 अंक तक पहुंचा। वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर इसने 83,262.23 अंक तक गोता भी लगा दिया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 12.99 अंक की मामूली मजबूती के साथ 83,445.88 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी ने आज 10.55 अंक फिसल कर 25,450.45 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की।

अनुष्का शेट्टी की घाटी के लिए करना होगा लंबा इंतजार

रिलीज डेट टली

दक्षिण भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी काफी समय से अपनी आगामी फिल्म घाटी को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान कृष जगरलामुदी ने संभाली है। यह फिल्म 11 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है। अब रिलीज से 5 दिन पहले निर्माताओं ने घाटी की रिलीज टाल दी है। निर्माताओं ने एक बयान जारी कर इसकी पुष्टि की है। इस फिल्म के लिए आपको थोड़ा और इंतजार करना पड़ेगा। निर्माताओं ने लिखा, सिनेमा एक बहती नदी है... कभी ये आगे बढ़ती है तो कभी गहराई समेटती है। घाटी सिर्फ एक फिल्म नहीं है, ये पहाड़ों की गूंज है, एक हवा, पत्थर और मिट्टी से उकेरी गई एक कहानी। हर दृश्य को सम्मान देने के लिए हमने इसकी उड़ान को थोड़ा और अपने सीने से लगाए रखने का निर्णय लिया है। हमें यकीन है कि यह इंतजार इस अनुभव को और समृद्ध अविस्मरणीय बना देगा। फिलहाल निर्माताओं ने घाटी की नई रिलीज तारीख का ऐलान नहीं किया है। निर्माताओं ने विश्वास जताया है कि यह फिल्म अनुष्का के करियर में मील का पत्थर साबित होगी। बाहुबली के बाद यह अनुष्का की दूसरी एक पैन-इंडिया फिल्म है, जिसे हिंदी समेत तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। बता दें कि अनुष्का के अलावा अभिनेता विक्रम प्रभु भी इस फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

रणवीर सिंह के जन्मदिन पर प्रशंसकों को मिला बड़ा तोहफा

धुरंधर से पहली झलक आई सामने

भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता रणवीर सिंह पिछले काफी समय से फिल्म धुरंधर को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। उनकी इस फिल्म के निर्देशन की कमान यामी गौतम के पति आदित्य धर को सौंपी गई है, जिन्हें विक्की कौशल की फिल्म उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक के लिए जाना जाता है। अब रणवीर के 40वें जन्मदिन पर फिल्म धुरंधर से उनकी पहली झलक सामने आ गई है, जो उनके प्रशंसकों के लिए किसी उपहार से कम नही है। धुरंधर के पहले वीडियो में रणवीर का धांसू अवतार दिख रहा है। वह जबरदस्त एक्शन करते दिख रहे हैं। उनके लंबे बाल और दाढ़ी-मूंछ ने लोगों का ध्यान खींच लिया है। इस फिल्म में आर माधवन, अक्षय खन्ना, संजय दत्त और अर्जुन रामपाल जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। वीडियो में तमाम सितारों की झलक दिख रही है। धुरंधर में माधवन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल की भूमिका निभा रहे हैं, वहीं रणवीर भारत के पहले एजेंट के किरदार में दिखेंगे। धुरंधर की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। यह फिल्म 5 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि धुरंधर की कहानी भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल के शुरुआती दिनों और एक गुप्त ऑपरेशन से प्रेरित है, जिसमें पाकिस्तान में अबू कताल नाम के आतंकवादी की रहस्यमयी हत्या को दर्शाया जाएगा। धुरंधर एक जासूसी थ्रिलर फिल्म है, जिसकी कहानी पाकिस्तान में 1970 और 1980 के दशक पर आधारित है।

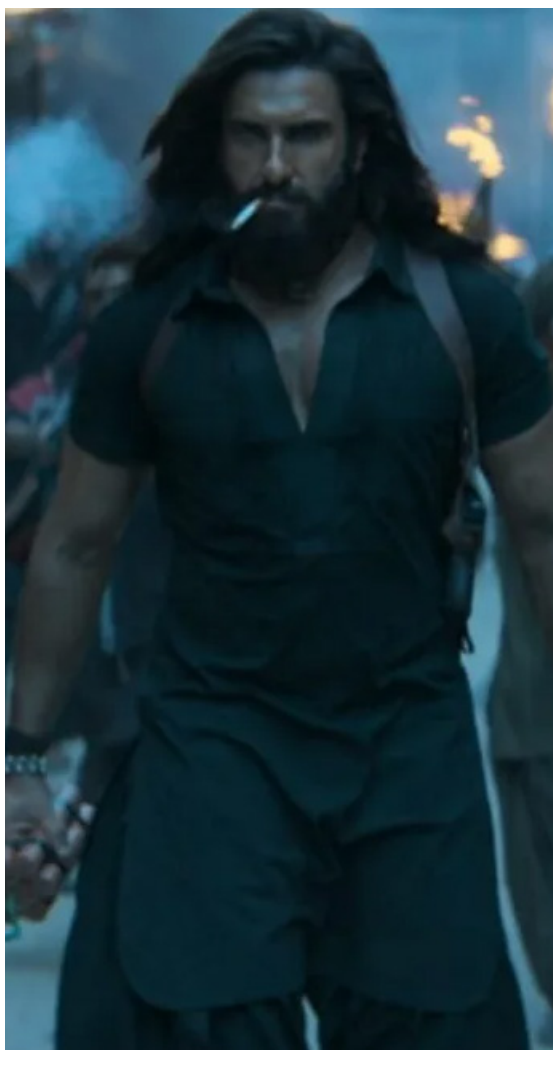

जेन्मा नचतिरम का सफर मेरी जिंदगी का खूबसूरत चैप्टर : मालवी मल्होत्रा

एक्ट्रेस मालवी मल्होत्रा अपनी नई फिल्म जेन्मा नचतिरम के साथ हॉरर-थ्रिलर फिल्मी दुनिया में अपनी पहचान बनाने जा रही हैं। एक्ट्रेस मालवी ने हाल ही में बताया कि आखिर यह फिल्म उनके लिए इतनी खास क्यों है? उन्होंने इस फिल्म के सफर को अपनी जिंदगी का खास चैप्टर करार दिया।मालवी ने कहा, यह फिल्म मेरे लिए बहुत खास है और मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं। हमेशा की तरह, मैंने इसमें बहुत मेहनत की है और अपने प्रदर्शन में पूरी कोशिश की है। भगवान की कृपा से यह एक शानदार महिला-केंद्रित फिल्म है और मुझे इसमें मुख्य भूमिका निभाने का मौका मिला है, इसके लिए मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं। उन्होंने आगे कहा, यह एक रोचक हॉरर थ्रिलर फिल्म है, जिसमें प्यार की कहानी भी है। मैं कहानी के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती। बस इतना कह सकती हूं कि जब यह फिल्म जल्दी ही सिनेमा हॉल में आएगी, तो हर कोई इसे देखकर एन्जॉय करेगा। मैं अपने निर्देशक बी. मणिवर्मन की बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया और मुझे इस फिल्म में मौका दिया। मैं बहुत उत्साहित हूं और फिल्म के रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। तमिल फिल्म जेन्मा नचतिरम में मालवी मल्होत्रा के अलावा, तमन आकाश, मैत्रेय, रक्षा चेरिन, शिवम, अरुण कार्थी, काली वेंकट, मुनीशकांत, वेलारामामूर्ति, थलाइवासल विजय, संथाना भारती, बॉयज राजन, नकालिते निवेदिता और यासर भी मुख्य भूमिका में हैं।यह थ्रिलर फिल्म सुभाषिनी के. ने अमोहम स्टूडियो और व्हाइट लैंप पिक्चर्स के साथ मिलकर बनाई है। इस फिल्म का निर्देशन बी. मणिवर्मन ने किया है। 5 जून को फिल्म के निर्माता ने सोशल मीडिया पर इसका टीजर रिलीज किया, जिसकी शुरुआत एक लाइन से होती है, जहरीले पौधों को बढ़ने के लिए सबसे साफ पानी की जरूरत होती है।फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्देशक मणिवर्मन ने कहा, जैसे पुराने समय की मशहूर हॉरर थ्रिलर फिल्में लोगों के बीच चर्चा का विषय बनती थीं, हमारी फिल्म जेन्मा नचतिरम भी ऐसी ही होगी। हालांकि, इस फिल्म का नाम पुरानी हॉरर फिल्म से प्रेरित है, लेकिन यह पूरी तरह से एक नई कहानी है। दर्शक थिएटर में फिल्म देखकर डर को महसूस करेंगे।

येलो प्रिंटेड मिनी ड्रेस में मोनालिसा का चिल मोड ऑन, खूबसूरत वादियों के बीच शेयर कीं तस्वीरें

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा ने एक बार फिर अपने लेटेस्ट लुक से सोशल मीडिया पर सनसनी मचा दी है. हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिनमें वो येलो एंड व्हाइट प्रिंटेड मिनी ड्रेस में नजर आ रही हैं. खुले बाल, मिनिमल मेकअप और बैकग्राउंड में नेचुरल हरियाली के बीच मोनालिसा का यह लुक फैंस को बेहद पसंद आ रहा है. मोनालिसा ने इस पोस्ट में लिखा, अपनी आत्मा को खुश करने के लिए समय निकालें और वाकई उनके चेहरे की स्माइल और सुकून इस कैप्शन को परफेक्टली जस्टिफाई कर रही है. उनकी यह ड्रेस ब्रांड आशीरा फलती-फूलती रहो की है, जिसे उन्होंने खासतौर पर इस आउटडोर शूट के लिए चुना. तस्वीरों में मोनालिसा नदी के किनारे बने रिज़ॉर्ट के बालकनी में खड़ी नजर आ रही हैं और उनके चेहरे पर संतुष्टि और शांति की झलक साफ दिखाई दे रही है. उनका ये फ्रेश और ब्राइट लुक फैंस के बीच चर्चा का विषय बन चुका है. पोस्ट पर अब तक हजारों लाइक्स और सैकड़ों कमेंट्स आ चुके हैं, जहां फैन्स उन्हें सनशाइन क्वीन, स्ट्रॉन्ग एंड स्टनिंग और क्वीन ऑफ सोशल मीडिया जैसे टैग्स दे रहे हैं. मोनालिसा की यह तस्वीरें ना सिर्फ फैशन स्टेटमेंट हैं बल्कि एक पॉजिटिव और सुकून देने वाला मैसेज भी देती हैं – खुद के लिए वक्त निकालना जरूरी है.

बॉक्स ऑफिस पर काजोल की मां की कमाई में मामूली बढ़त

9वें दिन कमाए इतने करोड़ रुपये

काजोल की पौराणिक हॉरर फिल्म मां को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 9 दिन पूरे हो गए हैं। उनकी यह फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और पहले दिन से ही यह बॉक्स ऑफिस पर औसत कमाई कर रही है। पिछले कुछ दिनों से फिल्म की कमाई में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। हालांकि, 9वें दिन फिल्म मां के कारोबार में मामूली बढ़त देखने को मिली है। आइए जानें फिल्म ने अब तक कितने करोड़ रुपये कमाए। बॉक्स ऑफिस आंकड़ों का ब्योरा रखने वाली वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म मां ने अपनी रिलीज के 9वें दिन यानी दूसरे शनिवार को 1.75 करोड़ रुपये कमाए। इसी के साथ अब भारत में इस फिल्म की कुल कमाई 27.50 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। फिल्म मां के निर्देशन की कमान विशाल फुरिया ने संभाली है, जिन्हें नुसरत भरूचा की हॉरर फिल्म छोरी और छोरी 2 के लिए जाना जाता है। अजय देवगन इस फिल्म के सह-निर्माता हैं। फिल्म में काजोल एक ऐसी मां का किरदार निभा रही हैं, जो अपनी बेटी को बचाने के लिए रक्षक के साथ-साथ भक्षक बन जाती है। उनकी बेटी का किरदार खीरिन शर्मा ने निभाया है। इंद्रनील सेनगुप्ता, रोनित रॉय भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। मां साल 2024 में आई अजय देवगन की सुपरहिट फिल्म शैतान यूनिवर्स का हिस्सा है। इस फिल्म का बजट 65 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। यह फिल्म जल्द ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

बॉक्स ऑफिसः मेट्रो... इन दिनों ने दूसरे दिन लगाई लंबी छलांग

जुटाए इतने करोड़ रुपये

अनुराग बसु के निर्देशन में बनी फिल्म मेट्रो... इन दिनों को 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया। यह एक मल्टी स्टारर फिल्म है, जिसमें आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अनुपम खेर और नीना गुप्ता ने अपनी अदाकारी का तड़का लगाया है। पहले दिन भले ही फिल्म ने उम्मीद के मुताबिक कारोबार न किया हो, लेकिन दूसरे दिन इसने बॉक्स ऑफिस पर लंबी छलांग लगाई है। आइए जानते हैं 2 दिन में कितने करोड़ रुपये कमा चुकी फिल्म। सैकनिल्क के मुताबिक, मेट्रो... इन दिनों ने अपनी रिलीज के दूसरे दिन 6 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 9.5 करोड़ रुपये हो गया है। इस फिल्म ने 3.5 करोड़ रुपये के साथ औसत शुरुआत की थी। फिल्म पंडितों की मानें तो यह फिल्म रविवार को और भी शानदार कमाई करेगी। पंकज त्रिपाठी, फातिमा सना शेख, कोंकणा सेन शर्मा और अली फजल ने भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाया है। मेट्रो... इन दिनों की कहानी 4 जोड़ियों के इर्द-गिर्द बुनी गई है, जो अलग-अलग शहरों में रहती हैं। इन चारों जोड़ियों में एक बात आम है और वो है रिश्तों और प्यार को लेकर इनकी परेशानियां। इस म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म के गाने लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं। सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद मेट्रो... इन दिनों का प्रीमियर ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर होगा। फिल्म का प्रीमियर अगस्त, 2025 के मध्य तक हो सकता है।

Supreme Court ready to hear Bihar voter list revision case, hearing on July 10

New Delhi, The Supreme Court has agreed to hear the petitions challenging the Special Intensive Revision (SIR) of the voter list in Bihar. The Supreme Court will hear these petitions on July 10. On Monday, lawyers Kapil Sibal, Abhishek Manu Singhvi, Gopal Shankarnarayanan and Shadan Farasat, on behalf of the petitioners, mentioned before the vacation bench headed by Justice Sudhanshu Dhulia and demanded an early hearing on the petitions. These lawyers said that if a voter in Bihar is unable to provide the documents, then his name can be removed from the voter list. Singhvi said that there are 8 crore voters in Bihar and out of them, 4 crore have to be thoroughly revised, this is an impossible task. When Kapil Sibal said that the timeline is very strict. If you are not able to submit the documents by July 2, then you will be out of the voter list. Then Justice Dhuliya said that the timeline has no validity, because the notification of the election has not been issued

yet. After that the court ordered to hear these petitions on July 10. In this case, apart from Rashtriya Janata Dal (RJD), Trinamool Congress (TMC), Association for Democratic Reforms (ADR) has filed petitions in the Supreme Court. The petition has demanded the cancellation of the Election Commission's order issued for SIR in Bihar. Advocate Prashant Bhushan, on behalf of ADR, has filed a petition saying that this order of the Election Commission is arbitrary. The petition states that this order of the Election Commission is a violation of Articles 14, 19, 21, 32 and 326 of the Constitution as well as the Representation of the People Act. The petition states that this order of the Election Commission also violates Rule 21A of the Voter Registration Rules. The petition states that the order of the Election Commission is not only arbitrary, but it has been issued without due process. This may deprive lakhs of voters of their right to vote. This move of the Election Commission will hamper free and fair elections. The time limit for the special intensive revision of the voter list is unreasonably short, as there are lakhs of citizens in the state whose names were not in the 2003 voter list and who do not have the documents sought under the order of the special intensive revision. The petition states that some people may be able to obtain these documents, but the very short time limit for the special intensive revision may prevent them from doing so in time. The petition states that Bihar is a state where poverty and migration are at a high level and a large population here does not have necessary documents like birth certificates or records of their parents. The last such revision in Bihar was done in 2003

Ghaziabad: Fire broke out in Pluto Hotel, 5 fire brigade vehicles brought it under control

Ghaziabad, Two incidents of fire were reported in Ghaziabad district of Uttar Pradesh on Monday. After the incident of fire in a paper factory located in Sahibabad, an incident of fire was also reported in a hotel. After which five fire department vehicles worked hard to control the fire. Fire was reported at 5:29 am in Pluto Hotel located in Sahibabad, Ghaziabad. No casualties have been reported in this incident. According to the fire department, at that time the vehicles of Sahibabad fire station were busy extinguishing the fire in a paper factory in Site-4. As soon as the fire was reported in the hotel, the Chief Fire Officer of Ghaziabad immediately sent the fire officers of Kotwali and Vaishali to the spot with 5 fire tenders and units. Upon reaching the scene, the fire department staff found the

fire in the hotel's rooftop kitchen, store and the hotel's elevation. The fire was intense, spreading rapidly and there was smoke everywhere. As there was no adequate way to reach the fire, the fire unit quickly spread a long hose line and started firefighting from the stairs on the other building behind the hotel and one unit started firefighting from the front of the hotel. A total of 5 fire engines worked hard to control the fire. Fortunately, there was no loss of life in this fire. At the same time, efforts are continuing to control the fire that broke out in a paper roll factory in Ghaziabad's industrial area Sahibabad late Sunday night. 18 fire brigade vehicles are trying to control the fire. Seeing the magnitude of the fire, the surrounding area has been evacuated. Fire brigade vehicles have also been called from other districts to control this fire.

Rain becomes a problem in Delhi: Office goers are troubled due to waterlogging and traffic jam

New Delhi, On one hand, the rain in the capital Delhi on Monday morning brought relief from the heat, but on the other hand it also created many problems for the people. Waterlogging and heavy traffic jams were seen in many areas, due to which people had to face difficulties in commuting. As soon as the rain stopped, the crowd gathered on the roads of Delhi. The traffic on the road coming from Gurugram to Delhi has started increasing gradually. At the same time, the speed of vehicles on the route going from Delhi to Gurugram is also slow. Since it is Monday and most of the people leave for office, immediately after the rain stopped, traffic

jams were seen at many places on the roads. There was a traffic jam of several kilometers on the road from Dhaula Kuan to Gurugram Airport. People coming from Mahipalpur and Delhi Cantt were badly stuck in the jam. There was a long jam on MB Road in Sangam Vihar area due to waterlogging. In the pictures of around 9:30 am on Monday, it can be seen that the road is flooded with a lot of water and the speed of vehicles has completely stopped. Local people say that due to this jam, they are getting late in reaching the office. This problem has become common here after every rain, but no permanent solution has been found. Some people in Sangam Vihar area told news agency IANS, "There is a lot of trouble due to waterlogging. There are many potholes on the roads, the roads are not built properly." However, at some places in Delhi, workers were seen pumping out water. Talking to IANS, a worker said, "We have been working since 5 am. We have not allowed waterlogging in this area. Earlier, there used to be water everywhere here." According to the Meteorological Department, similar rains will continue in Delhi-NCR for the next few days. In such a situation, citizens have been advised to leave home early and keep an eye on traffic updates.

Khalistani terrorist Happy Pasiya will be brought to India from America, involved in more than 14 terrorist incidents

New Delhi/Chandigarh, The process of bringing notorious gangster and Khalistani terrorist Happy Pasiya, responsible for a series of terrorist attacks in Punjab, from the US to India is in its final stages. He will be brought to India soon. Happy, who has become the face of terror in Punjab during the years 2024 and 2025, was detained from Sacramento, America in April. He is currently in the custody of the American agency ISI. Happy Pasiya was taken into custody in America on 17 April. The NIA had announced a reward of Rs 5 lakh on Happy Pasia's head. He is accused of carrying out more than 14 terror incidents in Punjab, including hand grenade attacks, targeting police stations and social media

posts taking responsibility for the blasts. According to sources, Happy Pasiya was in contact with Pakistan's intelligence agency ISIS and Khalistani terrorist organizations like Babbar Khalsa International. He used to plot attacks with the aim of spreading instability in India, especially in Punjab. Happy's name cropped up in a series of grenade blasts and terrorist incidents in several districts of Punjab during 2024-25. Some major incidents: November 24, 2024: A fence was erected outside the Ajnala police station. November 27: Grenade attack on police post in Gurbaksh Nagar. December 2: Blast in Kathgarh police station of SC/ST Nagar, three terrorists arrested. December 4: Explosion in Majitha police station, police said it was a tyre burst but later there was a dispute. 13 December: Grenade attack on Aliwal Batala police station, Pasia claimed responsibility. December 17: Blast in Islamabad police station, DGP considers it a terror attack. January 19, 2025: Blast at Gumtala police station, Babbar Khalsa takes responsibility. February 3: Attack on Amritsar police post, police denies grenade attack. February 14: Blast in a policeman's house in Gurdaspur. March 15: Attack on temple by Thakur of Amritsar, main accused Gursiddak Singh killed in encounter. Punjab Police and central agencies, in collaboration with US security agencies, have prepared the necessary documents for the extradition of Pasia. It is expected that he will soon be brought to India at Delhi airport, where he will be thoroughly questioned about the terrorist network and funding.

Enthusiasm among devotees for Amarnath Yatra, number of visitors crosses 70 thousand in 4 days

Srinagar, There is tremendous enthusiasm among the people regarding the Amarnath Yatra. In the last four days, more than 70 thousand devotees performed the Amarnath Yatra, while another batch of 8,605 pilgrims left for the Kashmir Valley on Monday. According to officials, since the Amarnath Yatra started on July 3, about 70 thousand people have visited Baba Barfani so far. Out of these, 21,512 pilgrims had darshan on Sunday. Apart from this, another batch of 8,605 pilgrims left for the Kashmir Valley from Bhagwati Nagar Yatri Niwas in Jammu in two security convoys on Monday. Officials said the first convoy

carrying 3,486 pilgrims is going to Baltal base camp in north Kashmir, while the second convoy carrying 5,119 pilgrims is going to Nunwan (Pahalgam) base camp in south Kashmir. Shri Amarnathji Shrine Board (SASB) officials said that apart from the pilgrims arriving at Bhagwati Nagar Yatri Niwas in Jammu, many devotees are directly reaching Baltal and Nunwan (Pahalgam) for spot registration to join the yatra. 180 additional companies of CAPF have been brought in to augment the existing strength of Army, BSF, CRPF, SSB and local police. The entire route has been secured by security forces.

The local people have extended full support to this year's Amarnath Yatra as they have been doing in the past as well. To send a message that Kashmiris are hurt by the Pahalgam terror attack, the local people were the first to welcome the pilgrims of the first batch. As soon as the pilgrims crossed the Nowgam tunnel and entered the Kashmir Valley from Qazigund, the local people gave them a warm welcome.

On Sunday, locals served cold drinks and pure drinking water to pilgrims returning from Baltal base camp in Ganderbal district of north Kashmir. The pilgrims accepted the hospitality of the locals without hesitation and thanked the Kashmiris for this love. The Amarnath Yatra began on July 3 and will end on August 9 after 38 days. Shri Amarnath Ji Yatra is one of the most sacred religious pilgrimages for the devotees, as the legend goes that Lord Shiva revealed the secrets of eternal life and immortality to Mata Parvati inside this cave.

Tragic accident in Punjab: Uncontrolled bus overturned in the middle of the road in Dasuha, Hoshiarpur, 7 passengers died and 24 injured

Dasuha, A tragic road accident took place this morning in Dasuha, Hoshiarpur, Punjab. 7 people died in this horrific road accident. The accident took place near Sagara Adda near Hajipur Road in Dasuha. According to the information, a bus went out of control and overturned and so far 7 passengers have died in this accident. While it is being told that about 24 people have been injured. The injured have been admitted to the Civil Hospital of Dasuha. According to the information, after the uncontrolled bus overturned

on the road, there was a lot of screaming among the passengers. The people nearby informed the police and ambulance and started the rescue work. So far, the death of 7 passengers has been confirmed in the accident. The condition of many injured is said to be critical. This mini bus of private company Kartar Bus was going on Talwara Dasuha Road. Police has reached the spot and is investigating the matter.

Former Punjab minister Bikram Singh Majithia sent to 14-day judicial custody, Nabha jail

Mohali, Former Punjab minister Bikram Singh Majithia has been taken to Nabha jail amid tight security. Majithia's remand ended on Sunday, after which he was produced in the court. The Mohali court has sent him to 14 days judicial custody. Shiromani Akali Dal leader and former minister Bikram Singh Majithia was arrested on 25 June in the drug money laundering case. Punjab's Vigilance Bureau arrested Majithia from his house in Amritsar. The next day the court sent him on 7-day remand, which was later extended for 4 days.

Currently, after the remand ended, Majithia appeared in Mohali court on Sunday, a holiday. Government lawyer Ferry Sofat told news agency IANS, the total remand was for 15 days. 12 days have passed, but the vigilance department has kept 3 days in reserve so that if needed, interrogation can be done later. The lawyer said that vigilance teams are conducting raids at many different places. Majithia can be taken on remand again after the documents are recovered. Bikram Singh Majithia was brought to Mohali court amid tight security. Apart from the convoy of vehicles, police was deployed at various places on the road. During this time, Majithia supporters and Akali Dal workers tried to reach the court, but they were stopped on the way. Majithia has been sent to Nabha jail till July 19. Meanwhile, Shiromani Akali Dal has accused Punjab Police of keeping party leaders under house arrest. Sharing some pictures on social media platform 'X', Akali Dal wrote, Bhagwant Mann government got nervous again before Bikram Singh Majithia's court appearance. Akali leaders were put under house arrest by sending police early in the morning, core committee member Jathedar Tirath Singh Mahala was put under house arrest. Similarly, the Akali Dal alleged that the police placed former minister and core committee member Sikander Singh Maluka under house arrest in village Maluka to prevent him from attending the hearing in Majithia's court.

1984 Operation Blue Star: Nishikant Dubey claims, 'Britain supported Indira Gandhi

New Delhi, BJP MP Nishikant Dubey has made a sensational claim regarding the 1984 Golden Temple attack. He said that the then Prime Minister Indira Gandhi had attacked the Golden Temple in connivance with Britain. The BJP leader, citing an alleged report of the Home Secretary on his X handle, wrote, "The attack on the Golden Temple in 1984 was done in collaboration with Britain. British army officers were present in Amritsar. For the Congress, the Sikh community is just a toy." He also claimed that the agreement to hand over Kartarpur Sahib to Pakistan was signed by Sardar Swarn Singh in 1960, senior Congress leaders were protected to hide the 1984 massacre of Sikhs and Manmohan Singh was made a puppet Prime Minister in 2004. The

BJP shared an alleged confidential letter of the Home Secretary, claiming that Indian authorities had sought advice from Britain on removing Sikh extremists from the Golden Temple. This letter was written by Brian Faull, Private Secretary to the Foreign and Commonwealth Office, to Hugh Taylor, Private Secretary to the then Home Secretary. Through this letter, Nishikant has substantiated his claim. It says, the Foreign Secretary agreed to this request and with the approval of the British Prime Minister, a Shiromani Akali Dal official visited India. This official made a plan, which was approved by Indira Gandhi. The plan was likely to be implemented soon. It said that the action at the Golden Temple could have triggered communal violence in Punjab, which risked escalating tensions between the Sikh community in India and Britain, especially if the role of the British Special Forces (SAS) was exposed. Therefore, this information was kept confidential in India and London. The Foreign Secretary had advised to keep it to a limited number of people. Copies of the letter were sent to Number 10 Downing Street, the Ministry of Defence and the Cabinet Office